दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 अंक : 33 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 22 फरवरी, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

न्यूज़ इनबॉक्स

दोनों हाथ सही सलामत होने की अनिवार्यता जायज नहीं: सुप्रीम कोर्ट

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट दिव्यांगता वाले छात्रों को एमबीबीएस पाठ्यक्रम करने के लिए 'दोनों हाथ सही सलामत' होने की अनिवार्यता 'पूरी तरह से प्रतिगामी' है और इसमें पक्षपात की बू आती है। जस्टिस बी.आर. गवई और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने पाया कि दिशानिर्देशों में तय किया गया है कि चिकित्सा पाठ्यक्रम में पात्रता के लिए 'दोनों हाथ सही सलामत होना, उनमें संवेदना होना, पर्याप्त शक्ति होना' आवश्यक है। पीठ ने कहा कि दोनों हाथ सही सलामत होने' का यह निर्देश संविधान के अनुच्छेद 41, दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में निहित सिद्धांतों और आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम (दिव्यांग जन अधिकार अधिनियम, 2016) के लाभकारी प्रावधानों के बिल्कुल विपरीत है।

एम्स बनेगा चिकित्सा शोध और अभ्यास का प्रमुख संस्थान

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र सरकार ने दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को चिकित्सा शोध और अभ्यास के प्रमुख संस्थान में बदलने की तैयारी की। इसका रोडमैप तैयार करने के लिए नीति आयोग ने समिति का गठन किया है। यह समिति एम्स की मौजूदा प्रक्रियाओं की गहन जांच करके बदलाव सुझाएगी और आयोग को रिपोर्ट सौंपेगी। नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। यह समिति एम्स में मौजूदा प्रणालियों और प्रक्रियाओं की गहन जांच करेगी। इसके साथ ही विशिष्ट समयसीमा के साथ महत्वपूर्ण सुधारों का प्रस्ताव करके रिपोर्ट सौंपेगी। समिति को एम्स आने वाले रोगियों की प्रक्रिया सुगम बनाने के उपाय बताने होंगे। इसके अलावा शैक्षणिक और अनुसंधान परिणामों की निगरानी के लिए प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) विकसित करने होंगे। इसके अलावा समिति का काम एम्स में शासन और पारदर्शिता को बढ़ाने और एम्स के प्रबंधन में वित्तीय विवेक, स्थिरता और आत्मनिर्भरता के लिए नीति बनाना होगा।

मोदी ने किया मराठी साहित्य सम्मेलन का शुभारम्भ

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तालकटोरा स्टेडियम में शुक्रवार को 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली की धरती पर मराठी भाषा का ये प्रतिष्ठित आयोजन हो रहा है। अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन सिर्फ एक भाषा या एक राज्य तक सीमित नहीं है।

मराठी साहित्य सम्मेलन में आजादी की लड़ाई का सार है। 1878 में अपने पहले आयोजन से लेकर अब तक अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन देश की 147 साल की यात्रा का साक्षी रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज शरद पवार के निमंत्रण पर मुझे इस गौरवशाली परंपरा में शामिल होने का अवसर मिल रहा है। मराठी भाषा अमृत से भी मीठी है। इसलिए आप मराठी भाषा और मराठी संस्कृति के प्रति मेरे प्रेम से भली-भांति परिचित हैं। मैं आप विद्वानों जितना मराठी में पारंगत नहीं हूं, लेकिन मैंने मराठी बोलने, मराठी के नए शब्द सीखने का निरंतर प्रयास किया है।

डोटासरा सहित छह विधायक नहीं ले पाएंगे पूरे सत्र में हिस्सा

गहलोत के बयान पर जमकर हंगामा, छह कांग्रेसी विधायक निलंबित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधानसभा के सदन में विपक्ष के विधायकों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। विधानसभा अध्यक्ष ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा समेत छह विधायकों को बजट सत्र से निलंबित कर दिया है।

इसमें गोविंद सिंह डोटासरा के अलावा छह विधायक है जो अब पूरे बजट सत्र में शामिल नहीं हो पाएंगे। यह कार्रवाई सदन में भारी हंगामा होने की वजह से किया गया है। सदन में सत्ता पक्ष की ओर से इंदिरा गांधी के बयान पर हंगामा करने के बाद बजट सत्र की कार्यवाही से निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया। जिसे विधानसभा अध्यक्ष ने पारित कर विधायकों को निलंबित कर दिया।

पूरे बजट सत्र अब कांग्रेस के 6 विधायक निलंबित

- गोविंद सिंह डोटासरा
- रामकेश मीणा
- हाकम अली खान
- अमीन कागजी
- जाकिर हुसैन गैसावत
- संजय कुमार

प्रश्नकाल में सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के जवाब के दौरान जबरदस्त हंगामा हो गया। मामला तब बढ़ा जब मंत्री गहलोत ने कहा कि कांग्रेस ज्यादातर योजनाओं का नाम 'आपकी दादी' के नाम पर रख देते थे। इस बयान पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कड़ी आपत्ति जताई और सवाल किया कि क्या आप पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'दादी कहकर संबोधित कर रहे हैं। इस बयान पर कांग्रेस विधायक आक्रोशित हो गए और वेल में आकर जोरदार नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया।

कांग्रेसी विधायको ने वेल में की नारेबाजी

निलंबन के विरोध में धरने पर बैठे कांग्रेस विधायक

निलंबन की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस विधायक धरने पर बैठे। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस ने जो किया है, वह माफी के लायक नहीं है। जिस तरह से सदन को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है, उससे मंशा साफ प्रतीत होती है। इधर विधायकों के निलंबन के बाद जोगाराम पटेल ने कहा कि स्पीकर ने कड़ा फ़ैसला किया है, जो सदन में मर्यादा बनाए रखने के लिए जरूरी था। लेकिन फिर भी मैं कांग्रेस से संवाद के लिए तैयार हूं। अगर वो अपने किए पर माफी मांगते हैं तो फिर मैं उनसे बातचीत कर सकता हूं।

विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश का आरोप

इस निलंबन के विरोध में ही कांग्रेस विधायकों ने सदन के अंदर ही धरना दे दिया। निलंबन के बाद कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है। पार्टी नेताओं का कहना है कि सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है और सदन में विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस विधायक गोविंद सिंह डोटासरा विधानसभा सचिव की टेबल तक पहुंच गए और मंत्री से माफी की मांग करने लगे। हंगामे के दौरान मार्शल से कांग्रेस विधायकों की तीखी बहस भी हुई। बढ़ते हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी।

डोटासरा समेत 6 विधायक पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित

दरअसल, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत के जवाब के दौरान हंगामा हुआ था। गहलोत ने कहा था कि कांग्रेस ज्यादातर योजनाओं का नाम आपकी दादी के नाम पर रख देते थे। इसी मामले पर जब कांग्रेस विधायकों ने हंगामा किया तो 6 विधायकों को पूरे बजट सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है।स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, रामकेश मीणा, हाकम अली खान, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गैसावत और संजय कुमार के खिलाफ एक्शन लिया है।

विपक्ष की आवाज को दबा रही सरकार: अशोक गहलोत

विधानसभा में कांग्रेस विधायकों के निलंबन को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा की तरह अब विधानसभा में भी विपक्ष की आवाज दबाने का तरीका अपनाया है। गहलोत ने कहा

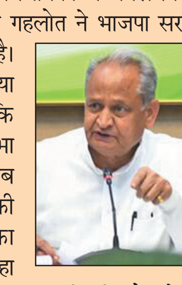

कि पहले भाजपा सरकार के एक मंत्री की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी की गई और जब कांग्रेस विधायकों ने इसका विरोध किया, तो उन्हें सदन से निलंबित कर दिया गया। यह दर्शाता है कि सरकार अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए विपक्ष को दबाने में जुटी हुई है।

भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करने वाले हो बेनकाब: धनखड़

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए यूएसएआईडी की तरफ से

कथित तौर पर किए जा रहे वित्तपोषण पर चिंता जताते हुए कहा कि जिन लोगों ने देश के लोकतांत्रिक मूल्यों पर इस तरह के हमले की अनुमति दी, उनका पर्दाफाश किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी ताकतों पर प्रतिघात करना लोगों का राष्ट्रीय कर्तव्य है।

ट्रंप ने फिर दोहराया चुनावी फंडिंग का मुद्दा:

वहीं मियामी में एक समारोह को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (अमेरिकी समयानुसार) एक बार फिर भारत में मतदान के लिए 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर के यूएसएआईडी फंडिंग पर सवाल उठाया और कहा कि मुझे लगता है कि वे (बाइडन सरकार) किसी और को निर्वाचित करने की कोशिश कर रहे थे।

हमें चाणक्य नीति को अपनाना चाहिए:

इधर दिल्ली में ध्यान पर एक कार्यक्रम में बोलते हुए, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि यूएसएआईडी फंडिंग पर टिप्पणी एक अधिकारी व्यक्ति की ओर से आई थी और यह एक तथ्य है कि पैसा दिया गया था। विवाद की जड़ तक पहुंचने के लिए चाणक्य नीति को अपनाना चाहिए, इसकी जड़ में जाना चाहिए और इसे जड़ से नष्ट करना चाहिए। इसके साथ पता लगाना चाहिए वो कौन लोग हैं जिन्होंने इस प्रकार के आक्रमण को स्वीकार किया, हमारे प्रजातान्त्रिक मूल्यों के ऊपर कुठाराघात किया। उन ताकतों पर प्रतिघात करना हमारा राष्ट्र धर्म है। उनको बेनकाब करना होगा क्योंकि तभी भारत शिखर पर जाएगा।

अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग ने की कटौती:

पिछले हफ्ते, अरबपति एलन मस्क के नेतृत्व वाले अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आवंटित 21 मिलियन अमेरिकी डॉलर समेत खर्च में कटौती की घोषणा की थी। पिछले शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में डीओजीई ने करदाताओं के करोड़ों डॉलर की लागत वाले कई कार्यक्रमों को रद्द करने की घोषणा की।

मदन राठौड़ का फिर भाजपा अध्यक्ष बनना तय!

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। राजस्थान भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में शुरू हो गई है। मदन राठोड़ ने प्रदेशाध्यक्ष के लिए नामांकन भर दिया है। सिंगल नाम होने से राठौड़ का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी में संगठन पर्व 2024 के तहत शुक्रवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए मदन राठौड़ ने नामांकन प्रस्तुत किया। मदन राठौड़ के समर्थन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ पांच प्रस्तावकों ने नामांकन भरवाया। इन पांच प्रस्तावकों में पहला सीएम भजनलाल शर्मा, दूसरा पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, तीसरा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, चौथा जिला अध्यक्ष जयपुर शहर अमित गोयल और पांचवें प्रस्ताव के तौर पर राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों ने प्रस्तावक सदस्यों के साथ मिलकर मदन राठौड़ के समर्थन में नामांकन प्रस्तुत किया। संगठन पर्व के प्रदेश चुनाव अधिकारी नारायण पंचारिया ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव अधिकारी के तौर पर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय भाई रूपाणी को राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया था। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष चुनाव अधिकारी विजय रूपाणी के समक्ष पांच प्रस्तावकों ने मदन राठौड़ के समर्थन में नामांकन प्रस्तुत किया।

आतंकवाद पर विदेश मंत्री जयशंकर ने बांग्लादेश को लगाई लताड़, पाक को दी नसीहत

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर बंगलादेश सहित पाकिस्तान पर आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए जमकर बरस रहे है।

प्रोफेसर युनूस मोहम्मद की अगुवाई वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जब से सत्ता में आई है, तब से सार्क संगठन के पक्ष में हवा बनाने में जुटी है। ऐसे में भारत ने बांग्लादेश को चेतावनी भरे लहजे में समझाने की कोशिश की है कि उसे आतंकवाद जैसे मुद्दे को सामान्य तौर पर नहीं लेना चाहिए।

यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार (विदेश मंत्री के समकक्ष) तौहीद होसैन को कही। इसका खुलासा शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने किया। विदेश मंत्रालय की तरफ से अंतरिम सरकार के कुछ सलाहकारों की तरफ से लगातार भारत के हितों के खिलाफ की जा रहे बयानबाजी के मुद्दे पर अभी नाराजगी जताई गई है और कहा है कि इससे द्विपक्षीय रिश्तों को सुधारने की कोशिशों को नुकसान पहुंचेगा।

जायसवाल ने कहा कि जब विदेश मंत्री जयशंकर ने मस्कट (दोहा) में बांग्लादेश के तौहीद हौसैन से मुलाकात की थी, तब बांग्लादेश का मुद्दा उठा था। लेकिन हम सब जानते हैं कि सार्क संगठन किस देश की वजह से और किस तरह की गतिविधियों से सार्क की मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने यह स्पष्ट कर दिया कि बांग्लादेश को आतंकवाद के मसले को सामान्य तौर पर नहीं लेना चाहिए।

2016 से स्थगित है सार्क की बैठक

उक्त बैठक के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया था कि इसमें द्विपक्षीय मुद्दों के साथ ही बिम्सटेक सम्मेलन को लेकर बात हुई थी। लेकिन बांग्लादेश की तरफ से बताया गया था कि सार्क संगठन की बैठक की शुरुआत करने पर बात हुई थी।

सनद रहे कि सार्क देशों की बैठक वर्ष 2016 से स्थगित है। तब भारत पर कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों के हाथ होने का विरोध करते हुए सिर्फ भारत ने ही नहीं बल्कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश समेत दूसरे सार्क सदस्यों ने दिसंबर, 2016 में इस्लामाबाद में होने वाली सार्क शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया था।

प्रोफेसर युनूस ने अगस्त, 2024 में सत्ता संभालने के कुछ ही दिनों बाद पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ से टेलीफोन पर बात की थी और उसमें सार्क संगठन को फिर से शुरू करने का समर्थन किया था। इसके बाद जब दोनों नेताओं की मुलाकात हुई, तब भी सार्क की बात हुई।

सिर्फ सार्क के मुद्दे पर ही नहीं बल्कि दूसरे मुद्दों पर भी बांग्लादेश यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ है। पूर्व पीएम शेख हसीना के कार्यकाल में आंतरिक सुरक्षा का हवाला देते हुए पाकिस्तान के जिन आयातों पर रोक लगा दी थी उसे खोल दिया गया है।

पाकिस्तानी नागरिकों के लिए सुरक्षा मंजूरी लेने की बाध्यता खत्म कर दी गई है। जबकि जनवरी, 2025 में जब भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने ढाका की यात्रा की थी, तब यह साफ तौर पर बता दिया था कि भारत अपने इस पड़ोसी देश के सात बेहतर संबंध चाहता है।

पुष्कर पालिका जेईएन रिश्वत लेते ट्रैप, रिश्तेदार राशि लेकर फरार

जयपुर टाइम्स

अजमेर(निस)। एसीबी की टीम ने पुष्कर नगरपालिका में कार्रवाई करते हुए जेईएन रामनिवास मीणा को ट्रैप किया है।

एसीबी ने जाल बिछा कर 2 लाख रुपए रिश्वत लेते उसे ट्रैप किया है।

रिश्वत राशि लेकर रिश्तेदार फरार

पुष्कर नगर पालिका में निजी ठेकेदारों की ओर से किए गए सरकारी निर्माण कार्यों के बिल पास करने के एवज में मीणा ने रिश्वत की मांग की थी। ठेकेदार ने इसकी शिकायत एसीबी अधिकारी पारसमल से की, जिसके बाद रिश्वत की मांग का सत्यापन किया गया। बताया जा रहा है कि एसीबी की टीम को परिवादी ने शिकायत दी थी। जिसके बाद एसीबी की टीम ने जेईएन रामनिवास मीणा को ट्रैप करने की पूरी तैयारी की। इसके बाद जब उसे ट्रैप किया तो वह जेईएन को 2 लाख रुपए रिश्वत लेते पाया गया। हालांकि आरोपी जेईएन रामनिवास मीणा का रिश्तेदार रिश्वत की राशी लेकर भाग खड़ा हुआ है। जिसकी तलाश एसीबी की टीम लगातार कर रही है। अब जेईएन का फरार रिश्तेदार पकड़े जाने पर उससे भी पूछताछ होगी। जबकि जेईएन से इस मामले में पूछताछ की जा रही है। एसीबी की टीम जेईएन के अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी करने की तैयारी कर रहा है। जिससे अन्य सुराग और फरार रिश्तेदार को पकड़ा जा सके।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
22 फरवरी, 2025

गिव अप अभियान के तहत 57 व्यक्तियों को नोटिस जारी, अब तक 1156 परिवारों की 4855 यूनिट्स हटाई

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)।। राज्य सरकार द्वारा अपात्र खाद्य सुरक्षा लाभार्थियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से नाम हटवाने के लिए जिले में 28 फरवरी तक चलाए जा रहे गिव अप अभियान के तहत अपात्र उपभोक्ताओं की पहचान हेतु 57 परिवारों को नोटिस जारी किए गए हैं। पात्रता नहीं होने के बावजूद भी खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ लेने की स्थिति में दोषियों के विरूद्ध विधिक कार्रवाई अमल में लाई जावेगी।

जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि विभाग द्वारा गिव अप अभियान के तहत नाम हटाने की प्रक्रिया का सरलीकरण कर दिया गया है। अब कोई भी अपात्र व्यक्ति खाद्य विभाग राजस्थान के पोर्टल पर उपलब्ध लिंक गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा योजना से स्वतः हटने के लिए आवेदन करें' पर आवेदन कर अपना नाम स्वयं खाद्य सुरक्षा सूची से हटा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत कुल 1156 परिवारों की 4855 यूनिट्स हटाई जा चुकी है।

रोटरी क्लब अलवर ने बांटे सेनेटरी पैड

जयपुर टाइम्स

अलवर (निस)। रोटरी क्लब अलवर का हर माह परमानेंट प्रोजेक्ट वूमेन हाइजीन के तहत सहचरी प्रोजेक्ट किया जाता है। जिसमें रोटरी क्लब अलवर की रोटेरियन महिलाएं स्लम एरियाज में सेनेटरी नैपकिन का निशुल्क वितरण करती है। इस बार अलवर में अरिहंत हॉस्पिटल के पास स्कीम नंबर 10 में 100 सेनेटरी पैड का निःशुल्क वितरण किया गया एवं स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गयी रोटेरियन कविता खण्डेलवाल द्वारा निःशुल्क सेनेटरी पैड दिये गये। इस कार्यक्रम में रोटश्र मीनाक्षी अरोड़ा, रोटेरियन ममता खन्ना, रोटेरियन बबीता कट्टा मौजूद रहीं। यह जानकारी अध्यक्ष दीपक कट्टा, रोटरी क्लब, अलवर ने दी।

खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अलवर के निर्देशानुसार जिले में खाद्य कारोबार करने वाले सभी व्यक्तियों के पास खाद्य लाइसेंस उपलब्ध हो सके इसकी सुगमता के लिए होटल विंग्स ग्रांड 200 फ़ीट रोड में खाद्य लाइसेंस एवं पंजीयन शिविर का आयोजन शुक्रवार को प्रातः 11ः00 से 3ः00 तक किया गया। चुकी सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को फास्टेक ट्रेनिंग कर सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य है इसके तहत जिले में होटल विंग्स ग्राण्ड, 200 फीट रोड एवं बाबा ठाकुरदास एवं सन्स, धोबी गठठा, अलवर में फास्टेक ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 125 खाद कारोबार कर्ताओ को ट्रेनिंग इंद्रारप्रस्थ संस्था द्वारा दी गयी। शिविर में विभिन्न खाद्य कारोबारकर्ता जिसमें दूध विक्रेता, डेरी वाले, दवा विक्रेता, मिठाई विक्रेता, किराना सामान विक्रेता, चाट ठेले वाले, फल सब्जी विक्रेता, रेस्टोरेंट ढाबे वाले आदि ने भाग लिया, इन सभी खाद विक्रेताओं को मौके पर खाद्य पदार्थो की लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन करवा कर खाद्य लाइसेंस/ रजिस्ट्रेशन मौके पर जारी किया गया, उक्त कैंप में 46 खाद्य विक्रेताओं ने भाग लेकर अपने खाद्य पंजीयन करवाया,साथ ही 125 व्यापारियों को खाद्य पदार्थो के रखरखाव के बारे में व अन्य खाद्य कारोबार से संबंधित फास्टेक ट्रेनिंग इन्द्रप्रस्थ संस्था द्वारा दी जाकर जानकारी प्रदान गयी, आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर के निर्देशानुसार जिले में उक्त कैंप विभिन्न स्थानों पर समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे।

एक प्रयास संस्था ने किया कन्यादान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। एक प्रयास संस्था द्वारा तीन कन्याओं का कन्यादान किया सभी कन्याओं को गृहस्थी का पूरा समान और कपड़ें, रजाई, गद्दे आदि दिए गए संस्था अध्यक्ष डॉ. मंजू अग्रवाल ने बताया संस्था के प्राय सभी सदस्य पिंकी गर्ग, आशा मित्तल, शोभा अग्रवाल, पूनम अरोड़ा, अरुणा देवड़ा, कृष्णा अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गायत्री डाटा, रेखा मेठी, कुसुम खंडेलवाल, वीणा अरोड़ा, मधु झिरीवाल, कुसुम खंडेलवाल, आदि सदस्य इस मौके पर मौजूद रहे संस्था अब तक तीस कन्याओं का कन्यादान कर चुकी है।

कलक्टर ने पिनान एवं राजगढ़ में ट्रॉमा सेंटर को आगामी 6 माह में तैयार कराने के दिए निर्देश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को पिनान एवं राजगढ़ में ट्रॉमा सेंटर को सर्व सुविधायुक्त तैयार करवाकर आगामी 6 माह में प्रारंभ कराने के निर्देश दिए, ताकि दुर्घटनाओं में घायल गंभीर मरीजों को त्वरित इलाज उपलब्ध हो सके। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों द्वारा मां योजना के अंतर्गत पैकेज की प्रगति की समीक्षा करते हुए गत माह की तुलना में 4.50 लाख रुपए के अधिक पैकेज बुकिंग में वृद्धि तथा आयुष्मान कार्ड वितरण में राज्य में चौथी रैंक प्राप्त करने के लिए सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना की समीक्षा करते हुए पिछले माह की तुलना में इस माह में रैंकिंग में 13वां स्थान प्राप्त करने पर संतोष व्यक्त किया, वहीं अनवरत प्रगति में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत आगामी 15 दिवस में 9 चिकित्सा संस्थानों का राज्य असेस्मेंट करवाकर एन्क्वास के लिए नॉमिनेशन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि मां योजना एवं आयुष्मान योजना के तहत बुक किए गए क्लेमों से होने वाली आय से चिकित्सा संस्थानों की मरम्मत, उपकरण एवं मरीजों के हित में अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करावे।

इसके अलावा जिला कलक्टर ने सीएमएचओ को नियमित पैकेजेज बुकिंग की समीक्षा करने एवं चिकित्सा संस्थानों में उपलब्ध मानव संसाधन का समुचित उपयोग करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को समय पर गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके। उन्होंने मौसमी बीमारियों, एनसीडी कार्यक्रम, टीबी मुक्त अभियान, राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, परिवार नियोजन कार्यक्रम इत्यादि की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को लक्ष्यानुसार प्रगति हासिल करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, डिप्टी सीएमएचओ परिवार कल्याण डॉ. के.के मीणा, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. कपिल भारद्वाज सहित समस्त बीसीएमओ, एनएचएम सिविल विंग के अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधन इकाई यूनिट के अधिकारी उपस्थित रहे।

चेतावनीः छह विधायकों का निलंबन रद्द नहीं किया तो जिला कांग्रेस कमेटी अलवर सड़क से लेकर सदन तक विरोध प्रदर्शन करेगी'

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने भाजपा विधायक और मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की कठोर शब्दों में निंदा की है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा की जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की है उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा मिश्रा ने बताया कि स्व. इंदिरा गांधी ने देश की प्रधानमंत्री रहते हुए अपनी शहादत दी थी, इसके अलावा गांधी ने विश्व का भूगोल बदल दिया, पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए और नया बांग्लादेश बना दिया। देश की आन बान और शान को झुकने नहीं दिया देश के लिए प्राण न्योछावर कर दिए। इसके अलावा कांग्रेस पार्टी ने देश को आजाद करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ऐसे में पार्टी देशभक्त पार्टी है और ऐसी में पार्टियों का अपमान जनता स्वीकार नहीं करेगी।

उन्होंने बताया कि सरकार आती जाती रहती हैं भाजपा के नेता जिस तरह की भाषा बोल रहे हैं इस तरह की भाषा का जवाब ठीक नहीं है। इसलिए भाजपा के नेताओं को अभद्र टिप्पणी नहीं करनी चाहिए और महापुरुषों का अपमान नहीं करना चाहिए। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा ने शुक्रवार को फिर साबित कर दिखाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का अपमान बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा, मंत्री अविनाश गहलोत ने पूर्व पीएम स्वर्गीय इंदिरा गांधी पर कि गई टिप्पणी पर डोटासरा ने सदन में जोरदार विरोध दर्ज कराया। डोटासरा ने साफ कहा कि हम हमारे सम्मानित नेताओं के खिलाफ एक शब्द नहीं सुनेंगे।

डोटासरा ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और अन्य विधायकों के साथ मजबूती से सदन में अपना विरोध दर्ज कराया, जिससे घबराकर सत्ता पक्ष ने पूरे बजट सत्र से डोटासरा सहित 6 विधायकों को निलंबित कर दिया, अगर भाजपा की राजस्थान सरकार ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित हमारे छह विधायक साथियों का निलंबन रद्द नहीं किया तो जिला कांग्रेस कमेटी, अलवर कांग्रेस के उच्च नेतृत्व के निर्देशानुसार सड़क से लेकर सदन तक विरोध प्रदर्शन करेगी।

राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय में आयोजित हुआ मेगा नेत्र कैम्प

61 मरीजों ने कराया नेत्र ऑपरेशन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चौहान एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. एम.एस सक्सेना के नेतृत्व में 19 फरवरी को राजीव गांधी राजकीय सामान्य चिकित्सालय अलवर के नेत्र विभाग में मेगा नेत्र जांच कैम्प आयोजित हुआ जिसमें 350 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया तथा ऑपरेशन योग्य 61 मरीजों को भर्ती किया गया है, जिनका ऑपरेशन 20 व 21 फरवरी को किया गया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्यि सेवाएं राजस्थान एवं अध्यक्ष स्टेट प्रोग्राम कमेटी (अंधता) के आदेशों की अनुपालना में नेत्र कैम्प आयोजित किया गया।

उन्होंने बताया कि शिविर में मोतियाबिन्द एवं नखूना के ऑपरेशन किए गए। इस दौरान नेत्र विभाग से डॉ. दीपा जैन, डॉ. सुनील खण्डेलवाल, डॉ. भागचंद गुप्ता, डॉ. प्रियंका, डॉ. गौरव शर्मा, डॉ. मोहसिन, डॉ. अंकिता जैन एवं नर्सिंग ऑफिसर राजकुमार सोनी, मनीष बंसल, संजय गर्ग, नेत्र सहायक अभय यादव, रामनिवास, मनोज बैरवा मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने किया कचरा ट्रांसफर स्टेशन व बजट घोषणा में स्वीकृत कार्यों का निरीक्षण, आमजन से लिया सफाई व्यवस्था का फीडबैक

कचरा ट्रांसफर स्टेशन को आइडियल स्टेशन के रूप में संचालित करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने अम्बेडकर नगर स्थित कचरा ट्रांसफर स्टेशन एवं बजट घोषणा में स्वीकृत हनुमान सर्किल से भूगोर तिराहे तक की टू लेन से फोर लेन बनने वाली सडक व हनुमान सर्किल के पास बस स्टैण्ड के लिए आरक्षित भूमि तथा अम्बेडकर नगर में कन्वेंशन सेंटर के लिए आरक्षित भूमि आदि का निरीक्षण किया। जिला कलक्टर ने अम्बेडकर नगर में कचरा ट्रांसफर स्टेशन का निरीक्षण कर उन्होंने निर्धारित मापदंड के अनुरूप कचरा ट्रांसफर स्टेशन तैयार करने पर नगर निगम की सराहना की। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि इस कचरा ट्रांसफर स्टेशन को न केवल आइडियल कचरा ट्रांसफर स्टेशन के रूप में विकसित करें, बल्कि इसका संचालन भी आइडियल कचरा ट्रांसफर स्टेशन के रूप में होवे। उन्होंने कचरा ट्रांसफर स्टेशन के आसपास पर्यावरण के अनुकूल ग्रीनरी को बढाने के लिए पौधारोपण करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि ऑटो टिपर के माध्यम से यहां आने वाले कचरे का यथाशीघ्र उठाव कराकर अग्यारा स्थित कचरा निस्तारण प्लांट में नियमित रूप से भिजवाना सुनिश्चित करावे। उन्होंने वहां काम कर रहें श्रमिकों से बातचीत कर श्रमिकों के लिए विश्राम गृह बनाने, फस्ट एड की व्यवस्था करने तथा सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने वहाँ पौधेरोपण भी किया।

आमजन से सफाई व्यवस्था का फीडबैक

जिला कलक्टर ने कचरा ट्रांसफर स्टेशन के आसपास के निवासियों से बातचीत कर फीडबैक लिया। जिस पर उन्होंने जिला प्रशासन व नगर निगम के द्वारा कचरा स्टेशन को सुन्दर स्वरूप देने तथा यहाँ कचरे के हो रहे उठाव की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पहले हाइवे के पास कचरा फैला रहता था अब बहुत व्यवस्थित है। अब बदबू व निराश्रित जानवरों से राहत भी मिली है। उन्होंने अतुल्य अलवर अभियान के तहत किए जा रहे स्वच्छता संबंधी कार्यो की भी सराहना की।

इसके उपरान्त जिला कलक्टर ने राज्य सरकार के बजट 2025-26 में हनुमान सर्किल से भूगोर तिराहे तक की सड़क का टू लेन से फोर लेन बनाने के स्वीकृत कार्य का निरीक्षण कर पीडब्ल्यूडी की अधिशाषी अभियंता को निर्देश दिए कि बजट घोषणा का क्रियान्वयन का कार्य प्रारंभ करें तथा इस सडक के साथ नाले निर्माण के प्रावधान जुड़वाएं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सोनी ने किया इरादा बालगृह, अलवर का निरीक्षण ओर विमंदित बाल गृह में विधिक जागरूकता शिविर लगाकर दी विधिक जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अलवर हरेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव/ अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश अलवर मोहन लाल सोनी के द्वारा शुक्रवार को इरादा बालगृह, अलवर का निरीक्षण किया एवं छीतरमल लाटा सोसायटी विमंदित बाल गृह, अलवर में विशेष योग्यजन के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन कर उन्हें विधिक जानकारी दी गई। सर्वप्रथम सचिव सोनी द्वारा इरादा बाल गृह, अलवर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड अनुसार उपस्थिति पंजिका में कुल 19 बालकों का अंकित होना पाया गया, जिनमें से मौके पर 17 बालक उपस्थित मिले एवं 02 बच्चों का स्कूल जाना बताया गया। मौके पर 5 कर्मचारीगण उपस्थित पाए गए। सोनी द्वारा गृह के रिकॉर्ड का एवं अन्य स्थिति का अवलोकन किया गया व सभी व्यवस्थाएं समुचित पाई गई। तत्पश्चात् सोनी द्वारा छीतरमल लाटा सोसायटी

विमंदित बाल गृह, अलवर में उपस्थित विशेष योग्यजनो को उनके अधिकारो के बारे में अवगत करवाते हुए बताया गया कि विशेष योग्यजन हमारे समाज का एक अभिन्न अंग हैं। कोई भी व्यक्ति जिसके शारीरिक या मानसिक कार्य बाधित हैं, लेकिन उसके पास कुछ विशेष कौशल या ताकत है तो उसे विशेष रूप से सक्षम व्यक्ति माना जाता है। विशेष योग्यजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कई कानून बनाए गए हैं, जिनमें विशेष योग्यजन अधिकार अधिनियम 2016 जो विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों को मान्यता देता है और उनके सशक्तीकरण और अवसरों के लिए पुनः कार्य करने का आधार प्रदान करता है।सचिव सोनी ने बताया कि इस अधिनियम ने विकलांगता की परिभाषा का विस्तार करते हुए इसमें 21 स्थितियां शामिल कर दीं, जिनमें शारीरिक, बौद्धिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी विकलांगताओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह अधिनियम शिक्षा, सरकारी नौकरियों और पदोन्नति में विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण का प्रावधान करता है। यह विकलांग व्यक्तियों के विरुद्ध भेदभाव को प्रतिबंधित करता है और रोजगार, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं में समान अवसरों पर जोर देता है।

इसके पश्चात सचिव सोनी द्वारा गृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड अनुसार उपस्थिति पंजिका में कुल 34 बालक अंकित होना पाया गया। वहीं सोनी द्वारा गृह का अवलोकन कि ओर वहां की स्थिति को देखा तो वहां स्थिति सही पाई गई।

निरीक्षण के दौरान मौके पर कौशलम संस्थान खैरथल में अध्ययनरत छात्र उपस्थित थे, जिनके द्वारा बताया गया कि कौशलम संस्थान में संचालित विशेष कोर्स आई.डी.डी. (इंटरलैक्चुअल डेवलपमेंट डिसएबिलिटी) में अध्ययनरत हैं तथा प्रशिक्षण हेतु विमंदित पुनर्वास गृह में आए हुए हैं एवं उनके द्वारा गृह में निवासरत विमंदित बालकों का व्यवहारिक अध्ययन किया जा रहा है।

जिला कलक्टर ने किया फूल बाग एवं चोपानकी थाना भिवाड़ी का निरीक्षण, कानून व्यवस्था की ली जानकारी

उप पंजीयन कार्यालय का निरीक्षण कर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। जिला कलक्टर किशोर कुमार ने शुक्रवार को फूल बाग एवं चोपानकी थाना भिवाड़ी तथा उप पंजीयन कार्यालय भिवाड़ी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

थानों के निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने सबसे पहले पुलिस बटालियन से सलामी ली, इसके बाद उन्होंने थाना परिसर का दौरा किया। उन्होंने बंदीगृह, मालखाना समेत अन्य शाखाओं का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने पिछले महीने दर्ज हुए मामलों की जानकारी लेते हुए उनके समाधान की स्थिति समीक्षा की। उन्होंने राज्य से बाहर के बने आम लाइसेंस को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, उन्होंने थाने में स्वीकृत पुलिस बल की संख्या और तैनात कर्मियों की स्थिति का जायजा लिया। साथ ही, उन्होंने थाना क्षेत्र में मुख्य रूप से दर्ज होने वाले मामलों और उनकी अपराधिक प्रकृति की जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने उपपंजन कार्यालय भिवाड़ी का निरीक्षण किया। उन्होंने गत वर्ष की वसूली में पूर्ण प्रयास करते हुए वसूली किया जाना सुनिश्चित करने तथा निर्धारित आय लक्ष्य प्राप्त करने हेतु पूर्ण प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने निरीक्षण प्रतिवेदन के बकाया आक्षेपों की अविलम्ब अनुपालना प्रेषित किया जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की कैटलॉग रजिस्टर में रिकॉर्ड का पूर्ण इन्द्राज किया जाए तथा रैण्डम मौका निरीक्षण का प्रतिशत बहुत कम पाये जाने पर शेष का शीघ्र मौका निरीक्षण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक रिको यूनिट प्रथम ज्ञानेंद्र शर्मा, जुडिशल शाखा प्रभारी विशाल गुप्ता, सामान्य शाखा प्रभारी आशीष तिवारी सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानो ने जाने उन्नत पशु प्रबंधन के तरीके

जयपुर टाइम्स

राजगढ़(निस)। ग्राम खेडली में सेन्टर फॉर माइक्रोफाइनेंस और राजीविका के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय उन्नत पशु प्रबंधन प्रशिक्षण का आयोजन किया गया गया। इस प्रशिक्षण में नवज्योति और जागृति कलस्टर के पाँच गाँव (खेडली, वीरपुर, रामसिंहपुरा, वीरपुर और लांकी) की स्वयं सहायता समूह की 25 महिला पशुपालको ने भाग लिया। प्रोजेक्ट एग्जीक्यूटिव धुलीराम गमेती ने बताया की आज के परिवेश में पशुओ के खान-पान और खनिज लवण की कमी चलते उनकी उत्पादन क्षमता पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ रहा है जिसकी वजह से पशुपालको की आमदनी कम होती जा रही है।प्रशिक्षण में पशुधन सहायक प्रवीण शर्मा ने पशुपालको को पशु आवास प्रबंधन, बछड़ो के टीकाकरण और जू चिचड़ी के बेहतर प्रबंधन के बारे में बताया साथ ही इसके यथोचित उपचार के बारे में भी जानकारी से अवगत कराया। पशुधन सहायक प्रवीण शर्मा ने पशु के बार-बार हीट में आना और ग्याभिन नहीं होना जैसी समस्या के समाधान एंव दुग्ध दोहन के तरीको के बारे में पशुपालको को बताया। पशुधन सहायक प्रवीण शर्मा ने थनेला रोग के उपचार और बेहतर प्रबंधन के बारे में भी जानकारी दी।उन्होंने मिनरल मिक्सचर के रेगुलर उपयोग के फायदों की जानकारी पशुपालको को दी। पशुधन सहायक प्रवीण शर्मा ने मोसमी बीमारियों के बचाव के तरीके और उनसे बचाव के लिए टीकाकरण

से अवगत कराया। उन्होंने किसानो को राशन बैलेंसिंग प्रोग्राम, दुधारू पशु को हरा चारा, सूखा चारा और दाने का क्या मिश्रण व अनुपात होना चाहिए के बारे में पशु पालको को बताया।पशुधन सहायक इसके साथ ही उन्होंने किसानो को मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की जानकारी दी। प्रशिक्षण में सेन्टर फॉर माइक्रोफाइनेंस के धुलीराम, विशाल सिंह, फील्ड कार्यकर्ता रामखिलाडी, राहुल कुमार स्वयं सहायता समूह की महिला पशुपालक मौजूद रही।

राजधानी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
22 फरवरी, 2025

जिला प्रशासन ने किया शिवाड़ महाशिवरात्रि महोत्सव मेले की तैयारियों का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निस)।। आगामी महाशिवरात्रि महोत्सव मेला-2025 (25-28 फरवरी) की प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिला कलक्टर शुभम चौधरी व पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने शुक्रवार को शिवाड़ में निरीक्षण किया और राजीव गांधी सेवा केंद्र में बैठक आयोजित की।

श्रद्धालुओं की सुविधा के पुख्ता इंतजाम

जिला कलक्टर ने बिजली विभाग को 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए और रिजर्व ट्रांसफार्मर, खुले तारों की मरम्मत व ट्रांसफार्मर कवरिंग सुनिश्चित करने को कहा। सीसीटीवी कैमरे, पार्किंग, झूले-चकरी के फिटनेस सर्टिफिकेट व गोताखोरों की व्यवस्था को लेकर भी निर्देश जारी किए गए।

पेयजल, परिवहन व स्वच्छता प्रबंधन

मेले में जलदाय विभाग, मंदिर ट्रस्ट व ग्राम पंचायत द्वारा कुल 5 पानी के टैंकर उपलब्ध कराए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जयपुर, टोंक व सवाई माधोपुर से रोडवेज की अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। निजी वाहनों में ओवरलोडिंग पर निगरानी के निर्देश दिए गए। नगर परिषद को मोबाइल शौचालय, अग्निशमन वाहन व सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। सफाईकर्मियों के लिए ड्रेस कोड तय करने और मंदिर ट्रस्ट कार्यकर्ताओं के पहचान पत्र जारी करने की बात कही गई।

स्वास्थ्य व सुरक्षा व्यवस्था

मेले में 24 घंटे एम्बुलेंस, पर्याप्त दवाइयां व डॉक्टरों की रोटेशनल ड्यूटी लगाई जाएगी। खाद्य निरीक्षक मेले में बिकने वाली खाद्य सामग्री की जांच करेंगे। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बताते हुए कहा कि इस बार महिला कांस्टेबल व ट्रैफिक पुलिस की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि महिलाओं की सुरक्षा व यातायात व्यवस्था सुगम रहे।

दुकानों का सुव्यवस्थित आवंटन

जिला प्रशासन ने दुकानों को सुव्यवस्थित तरीके से लगाने, रास्ता खुला रखने व डस्टबिन रखने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ गौरव बुडानिया, एडीएम संजय शर्मा, एसडीएम दामोदर सिंह, ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेम प्रकाश शर्मा, सरपंच प्रेम देवी सहित अन्य अधिकारी व ट्रस्ट पदाधिकारी मौजूद रहे।

पिंकसिटी प्रेस क्लब में चिकित्सा शिविर आज

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)।। पिंकसिटी प्रेस क्लब में शनिवार को पत्रकारों एवं उनके परिजनों की स्वास्थ्य जांच के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

क्लब अध्यक्ष डॉ.वीरेन्द्र सिंह राठौड़, महासचिव योगेन्द्र पंचौली ने बताया कि मैट्रो मास अस्पताल जयपुर के तत्वावधान 22 फरवरी को प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक हैल्थ चैकअप शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, वजन, बीएमआई, ईसीजी एवं आई चेकअप निःशुल्क किया जाएगा। इस अवसर पर स्वास्थ्य जीवन पर एक कार्याशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें डॉ. रिंकू कुमार शर्मा एवं डॉ. राकेश रंजन स्वास्थ्य संबंधित परामर्श देंगे।

बजट घोषणा के तहत प्रदेश में अब 20 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित - ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष की बजट घोषणा में प्रदेश में लखपति दीदी योजना का दायरा बढ़ाते हुए अब 20 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया गया है।

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना के तहत वर्ष 2024-2025 की बजट घोषणा के द्वारा 15 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध राजीविका द्वारा जनवरी, 2025 तक 15 लाख 21 हजार 332 लखपति दीदी का चिन्हिकरण कर इन्हें विभिन्न आजीविका सम्बन्धित गतिविधियों से जोड़ा गया है।

उन्होंने जानकारी दी कि लखपति दीदी स्वयं सहायता समूह की सदस्या होती हैं। इस योजना के तहत महिलाओं को सीधे रोजगार न देकर विभिन्न कृषि एवं गैर कृषि आधारित गतिविधियों से जोड़कर इनकी आय को 1 लाख से अधिक किये जाने का प्रावधान है।

इससे पहले विधायक रफीक खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार पालनहार योजनान्तर्गत कुल 6 लाख 15 हजार 98 बच्चों को लाभान्वित किया जा रहा है।

हाड़ौती के रंग में रंगा दूंढ़ाढ़, अल्बर्ट हॉल में लोक नृत्यों की छटा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और प्रचारित करने के उद्देश्य से जयपुर के अल्बर्ट हॉल में शुक्रवार को 'कल्चरल डायरीज' के छठे एपिसोड का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर हाड़ौती अंचल के पारंपरिक लोक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का आयोजन राजस्थान पर्यटन विभाग के नवाचार 'कल्चरल डायरीज' के तहत किया गया, जिसकी पहल उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा की गई है। यह सुखद संयोग रहा कि इस दिन अल्बर्ट हॉल का 139वां स्थापना दिवस भी मनाया गया, जिससे आयोजन का महत्व और बढ़ गया।

सांझ ढलते ही एक के बाद एक लोक प्रस्तुतियां मंच पर सजीं। रूपसिंह चाचोड़ा (छबड़ा) और उनके दल ने चकरी नृत्य प्रस्तुत किया, जिसमें घूमते चक्रों के साथ ढोल-मंजीरे की ताल दर्शकों को रोमांचित कर

गई। अशोक कश्यप (झालावाड़) और दल ने डंडा बिंदौरी नृत्य से एकता व परंपरा का संदेश दिया। वहीं, हरिकेश सिंह (बारां) के नेतृत्व में हुआ सहरिया नृत्य दीपावली और होली के उल्लास को जीवंत कर गया।

जुगल चौधरी (झालावाड़) के दल ने कानगवली नृत्य में पारंपरिक मान्यताओं की झलक दी, जबकि कुणाल गंधर्व (कोटा) के भवाई नृत्य ने रोमांचक प्रयोग से सबको चकित कर दिया। इस बार नर्तक ने बैलगाड़ी के चक्कों के साथ संतुलन का अद्भुत प्रदर्शन किया। वहीं, विनीता चौहान (कोटा) के निर्देशन में हुआ बिंदौरी नृत्य शादी की बारात की उमंग को मंच पर साकार कर गया। अल्बर्ट हॉल में आयोजित यह संध्या न केवल इसकी स्थापना के 139वें वर्ष का उत्सव बनी, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को एक नई पहचान देने में भी अहम भूमिका निभाई।

शनिवार को इसी श्रृंखला में पद्मश्री गनी बंधुओं की सुर संध्या आयोजित होगी, जिसमें राजस्थान के मांड गायन की परंपरा को सशक्त अभिव्यक्ति मिलेगी।

इस अवसर पर पर्यटन विभाग की संयुक्त निदेशक डॉ. पुनीता सिंह, उपनिदेशक नवलकिशोर बसवाल, सहायक निदेशक संदीप श्रीवास्तव (कोटा), हिमांशु मेहरा और पर्यटक अधिकारी अनिता प्रभाकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर के निर्देश पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के 147 अपात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अपात्र लाभार्थियों के खिलाफ जिला रसद अधिकारी ने सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया है। जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार कार्यालय जिला रसद अधिकारी के द्वारा नोटिस जारी किये जा रहे हैं। जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम द्वारा 66 अपात्र लाभार्थियों एवं जिला रसद अधिकारी जयपुर द्वितीय द्वारा 81 अपात्र लाभार्थियों सहित अब तक कुल 147 अपात्र लाभार्थियों को नोटिस जारी किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि गिव अप अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार यथा ऐसे परिवार जिनमें कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्ध सरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी या अधिकारी हो अथवा 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता है अथवा जिसके सभी सदस्यों की कुल आय 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक हो या निजी चौपहिया वाहन धारक या आयकरदाता हो सम्मिलित है, को प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम स्वेच्छा से पृथक करवाए जाने हेतु आवेदन करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति के लिये खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा 3 दिसंबर, 2024 से 'गिव अप' अभियान चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अन्तर्गत अपात्र व्यक्ति अपना नाम खाद्य सुरक्षा योजना से हटवाने हेतु आवेदन कर सकते हैं। 28 फरवरी 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी।उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अब तक हजारों परिवारों द्वारा गिव अप अभियान के अन्तर्गत आवेदन कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है। पूर्व में उक्त अभियान की अन्तिम तिथि 31 जनवरी 2025 निर्धारित थी परन्तु वर्तमान में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा उक्त अवधि को 28 फरवरी 2025 तक बढ़ाया जाकर अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाये जाने हेतु अवसर प्रदान किया गया है।

कलयुग के भागीरथ बने केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी

1300 कार्यकर्ताओं के साथ महाकुंभ स्नान और अयोध्या धाम यात्रा

जयपुर टाइम्स

प्रयागराज/अयोध्या/अजमेर(निस)। अजमेर सांसद व केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के नेतृत्व में अजमेर संसदीय क्षेत्र की आठों विधानसभाओं के 1300 से अधिक कार्यकर्ता प्रयागराज महाकुंभ पहुंचे। विशेष ट्रेन से आए इस दल ने संगम में गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। हर-हर गंगे और जय श्रीराम के उद्घोष से कुंभ परिसर भक्तिमय हो उठा।

कलयुग के भागीरथ बने केंद्रीय मंत्री

संगम स्नान के बाद कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी का आभार जताते हुए उन्हें कलयुग का भागीरथ कहा। मंत्री ने इस यात्रा की विशेष ट्रेन की अनुमति स्वयं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से प्राप्त की और समस्त खर्च निजी स्तर पर वहन किया।

आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक एकता का संदेश

संगम तट पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंत्री चौधरी ने कहा कि महाकुंभ केवल स्नान का पर्व नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और संस्कारों को जीवंत करने का अवसर है। उन्होंने इस यात्रा को एकता, समर्पण और संस्कृति से जोड़ने की प्रेरणा दी।

अगला पड़ाव: अयोध्या में श्रीराम दर्शन

संगम स्नान के बाद कार्यकर्ता अयोध्या धाम रवाना होंगे, जहां वे श्रीरामलला के दर्शन करेंगे। इस ऐतिहासिक तीर्थयात्रा से कार्यकर्ताओं ने न केवल धार्मिक आस्था को बल दिया बल्कि समाज में सकारात्मकता व भाईचारे को बढ़ाने का संकल्प भी लिया।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान हेतु कार्यशाला आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन, जयपुर में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के तहत जिलों के सभी आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) समन्वयकों एवं पीपीएम (सार्वजनिक-निजी भागीदारी) समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक आमजन को टीबी रोग की सही जानकारी सुलभ नहीं होगी, तब तक एक स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस दिशा में आईईसी समन्वयकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्व टीबी दिवस के उपलक्ष्य पर राजस्थान सरकार द्वारा आगामी 11 मार्च से 24 मार्च तक पूरे प्रदेश में टीबी मुक्त पंचायत अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर क्षय रोग (टीबी) को समाप्त करने के लिए जनजागरूकता बढ़ाना और रोग उन्मूलन हेतु सक्रिय कदम उठाना है। कार्यशाला के दौरान राज्य टीबी अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी ने बताया कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए सोशल मीडिया पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक टीबी से जुड़ी जानकारी और बचाव के उपाय पहुंच सकें। डॉ. एसएन धौलपुरिया, नोडल अधिकारी (टीबी मुक्त अभियान) ने कार्यशाला में उपस्थित समन्वयकों को संबोधित किया और अभियान की कार्ययोजना को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इस दौरान गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम, निश्शुल्क टीबी जांच शिविर और उपचार सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। कार्यशाला में आईईसी समन्वयकों को टीबी उन्मूलन के लिए जागरूकता अभियान चलाने, आवश्यक जानकारी प्रसारित करने और समुदाय में रोग को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, विशेषज्ञ एवं क्षेत्रीय समन्वयक उपस्थित रहे। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन कम होना या रात में पसीना आने जैसे लक्षण महसूस हों तो नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर निश्शुल्क जांच एवं उपचार करवाएं।

कुचामन सिटी में 32 करोड़ की लागत से बनेगा राजकीय जिला चिकित्सालय का नया भवन, राजस्व राज्य मंत्री चौधरी ने किया शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी (निस)। शहर में 32 करोड़ की लागत से बनने वाले राजकीय जिला चिकित्सालय के नए भवन का शिलान्यास राज्य मंत्री राजस्व एवं उपनिवेशन विजय सिंह चौधरी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजकीय जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर वी के गुप्ता,जिला डीडवाना कुचामन के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नरेंद्र चौधरी,राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहायक इंजीनियर कपिल अग्रवाल, भारतीय जनता पार्टी कुचामन शहर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल मारवाडा उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य मंत्री ने आश्वासन दिया कि कुचामन शहर एवं नावां विधानसभा में स्वास्थ्य के क्षेत्र में किसी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी साथ ही कहा कि एक एडवांस एंबुलेंस राजकीय चिकित्सालय के लिए व्यवस्था की जाएगी। जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी ने जिला चिकित्सालय में शीघ्र ही कार्डियक केयर यूनिट चालू करवाने हेतु राज्य मंत्री से निवेदन किया।

बेटियों को गुड टच बैड टच की दी गई जानकारी

- सक्षम जयपुर अभियान के तहत कार्यक्रम का हुआ आयोजन
- जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने छात्राओं को किया प्रेरित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला प्रशासन द्वारा संचालित सक्षम जयपुर अभियान के तहत गुड टच बैड टच जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को झालाना स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में बेटियों को गुड टच बैड टच की आवश्यक जानकारियों से रूबरू करवाया गया। जिला कलक्टर डॉ जीतेन्द्र कुमार सोनी ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य आतिथ्य षिरकत की। डॉ जितेन्द्र कुमार सोनी ने छात्राओं को सुरक्षा के साथ ही परीक्षा मे सफलता के लिए टिप्स दिये, साथ ही मातृ भाषा का महत्व बताते हुए आम बोलचाल एवं कार्य में मातृ भाषा को अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक डॉ राजेश डोगीवाल ने इनाया फाउंडेशन की और से बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ के लिए कार्यों की प्रशंसा

की। कार्यक्रम में विद्यालय के 1000 छात्र छात्राओं को गुड टच बैड टच का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम मे छात्र छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से उनके साथ होने वाले बैड टच की व्यथा का प्रभावी मंचन किया। इनाया फाउंडेशन सचिव नितिशा शर्मा ने बताया की कार्यक्रम में पॉक्सो एक्ट 2012 , चाइल्ड हेल्पलाइन न 1098, वन स्टॉप सेंटर , महिला हेल्पलाइन 181 ,आत्म रक्षा, बाल विवाह उन्मूलन, वर्चुअल टच जैसे अपराधों के साथ ही महिला सुरक्षा की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया की कार्यक्रम के प्रथम फेज में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के अब तक लगभग 35 विद्यालयों के 40,000 छात्र छात्राओं को सन्देश दिया जा चुका है और दूसरे फेज में तकरिबन 15000 बच्चों तक पहुँच कर कानून की जानकारी देने का लक्ष्य है।

विद्यालय के प्राचार्य निशिकांत अग्रवाल ने जिला कलक्टर डॉ जीतेन्द्र कुमार सोनी एवं महिला अधिकारिता उप निदेशक राजेश डोंगीवाल का आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय मे छात्र छात्राओं द्वारा की लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन करवाया। कार्यक्रम मे टीम सुपरवाइजर विनय मित्तल, टीम कोर्डिनेटर योगेन्द्र कुमार, अर्पण भट्ट, वीरेंद्र सिंह, पूनम वर्मा ने कार्यक्रम अलग अलग विषयों प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के बाद बच्चों से प्रश्न पूछे गए, जिनका सही जवाब देने वालों को कैप, जूट बैग और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

संपादकीय .....

महाकुंभ के बहाने सनातन के अपमान की पराकाष्ठा

प्रयागराज में दिव्य- भव्य महाकुंभ के आयोजन की तैयारियों के समय से ही इंडी गठबंधन के सभी दलों के नेता किसी न किसी बहाने इसकी आलोचना कर रहे थे किन्तु इसके सफलतापूर्वक संचालित होते हुए देखने के बाद तो वो इसको विफल करने के लिए तरह तरह के प्रयास कर रहे हैं और अपने वक्तव्यों से महाकुम्भ मेले की आड़ में सनातन धर्म और हिन्दू आस्था का निरंतर अपमान कर रहे हैं। खडगे के क्या कुम्भ में नहाने से गरीबी दूर होगी, से शुरू हुआ ये अपमान अब महाकुम्भ को मृत्यु कुम्भ कहने तक जा पंहुचा है। बिहार के चारा घोटाले के मुख्य आरोपी न्यायपालिका की दया से जमानत पर बाहर घूम रहे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने महाकुंभ को फालतू का कुंभ कहा और फिर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सभी सीमाओं को पार करते हुए महाकुंभ को मृत्युकुंभ कह डाला जिससे संपूर्ण हिंदू समाज आक्रोशित है।

मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में अंधे हो चुके इन सभी दलों के नेताओं को यह महाकुंभ इसलिए रास नहीं आ रहा है क्योंकि यह अब तक का सर्वाधिक सफल महाकुंभ बनने जा रहा है। इस महाकुंभ से सनातन हिंदू समाज की एकता का जो ज्वार उभरा है उससे मुस्लिम परस्त दलों को अपना भविष्य अंधकारमय दिख रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जिस प्रकार से महाकुंभ को मृत्युंकुभ कहा है उससे यह साफ प्रतीत हो रहा है कि उन्हें अब 2026 में राज्य के विधानसभा चुनावों में संभावित हिन्दू एकता से भय लगने लगा है। इंडी गठबंधन के कई दलों के प्रमुख नेता जहाँ महाकुंभ की आलोचना कर रहे हैं वहीं उन्हीं दलों के बहुत से नेता वीवीआईपी टीट्रमेंट के साथ गंगा नदी में पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, डीके शिवकुमार, अजय राय, सचिन पायलट यह सभी माँ गंगा में डुबकी लगा चुके हैं।

यूपी में समाजवादी पार्टी ने तो महाकुंभ के खिलाफ एक नियमित अभियान ही चला दिया है। सपा के प्रवक्ता टीवी चैनलों पर कह रहे है कि हम विरोधी दल हैं हमारा तो काम ही सरकार से व्यवस्थाओं पर सवाल करना है। तो सरकार पर सवाल करो ना, सनातन पर क्यों कर रहे हो? सपा के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर भी महाकुंभ के खिलाफ खूब दुष्प्रचार किया जा रहा है। महाकुंभ - 2025 पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए सपा सांसद अफजाल अंसारी पर मुकदमा तक दर्ज हुआ है क्योंकि उन्होंने कहा था कि संगम पर भीड़ देखकर लगता है कि स्वर्ग हाउसफुल हो जायगा। उत्तर प्रदेश विधान सभा सत्र में बोलते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ को फालतू कुंभ और मृत्यु कुंभ बताने वालों को सटीक और कड़ा जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि सनातन का आयोजन भव्यता से करना अगर अपराध है तो ये अपराध मेरी सरकार ने किया है आगे भी करेगी। मुख्यमंत्री ने अपने बयान में सपा पर हमलावर होते हुए कहाकि सोशल मीडिया हैंडल देखें तो वहां की भाषा उनके संस्कारों को प्रदर्शित करती है यह भाषा किसी सभ्य समाज की नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता की चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने फिर एक बार दिल्ली मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के नाम को लेकर न केवल चौंकाया बल्कि एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने एक साथ कई समीकरणों को साधने का प्रयास किया है। इस चौंकाने वाले फैसले के पीछे भाजपा की कई रणनीतियां हैं, एक तरफ जहां जातिगत समीकरणों को साधने की कोशिश है वहीं दूसरी तरफ नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा को भी खत्म किया गया है। रेखा गुप्ता के रूप में भाजपा ने एक ऐसे चेहरे को आगे बढ़ाया है जो महिला सशक्तिकरण का प्रतीक भी है। रेखा गुप्ता भले ही पुरानी संघ के जुड़ी नेता रही हो, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कोई बहुत ज्यादा नहीं रहा है। लेकिन भाजपा की इस नई तरह की राजनीति एवं सोच ने राजनीतिक दिग्गजों एवं कद्दावर नेताओं के स्थान पर नये चेहरों को आगे करके राजनीति की नई परिभाषा गढ़ती रही है, जो सफल भी रही है और राजनीति में परिवार एवं परम्परा को नकारा है। निश्चित ही अन्य राज्यों की भांति दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता भी नया इतिहास का सृजन करते हुए विकास की नई गाथा लिखेंगी। दिल्ली से पहले भाजपा की 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में सरकार थी लेकिन कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं थी। दिल्ली में चौथी मुख्यमंत्री के रूप में भले ही रेखा गुप्ता का नाम राजनीति गलियारों में व्यापक चर्चा का विषय बन रहा हो, लेकिन राजनीति में महिलाओं के वर्चस्व को बढ़ाने की यह कोशिश अभिनन्दनीय एवं सराहनीय है।

राजस्थान, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और मध्यप्रदेश में भाजपा ने मुख्यमंत्री के नामों को लेकर चौंकाया था। लेकिन यह संदेश भी दिया था कि पार्टी में बड़ा चेहरा होना सब कुछ नहीं है। कर्मठ कार्यकर्ता होना बहुत कुछ है, जो बिना अभिमान पार्टी नेतृत्व के सोच को आसमानी ऊंचाई दे सकता है। रेखा गुप्ता शालीमार बाग सीट से जीतकर पहली बार विधायक बनी हैं। शुक्रवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में रेखा गुप्ता ने नौवें मुख्यमंत्री के रूप में पद की शपथ ली, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह के साथ अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री उपस्थित रहे। रेखा गुप्ता पेशे से एक वकील हैं। भाजपा में उनकी गिनती अग्रणी नेताओं में होती है, वे दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। रेखा गुप्ता का जन्म हरियाणा के जींद में हुआ था, लेकिन उनकी शिक्षा-दीक्षा दिल्ली में हुई है। रेखा

गुप्ता से पहले सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित और आतिशी इस पद पर रह चुकी हैं। रेखा गुप्ता पुरानी संघ से जुड़ी नेता रही हैं, दिल्ली यूनिवर्सिटी की छात्र संघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से अपना राजनीतिक सफर शुरु करने वाली रेखा गुप्ता कोमल स्वभाव, खुशमिजाज, संवेदनशील लेकिन बेबाकी, बेखौफ एवं बुलन्द आवाज में अपनी बात रखने का उनका माद्दा उनको एक खास पहचान देता है।

निश्चित ही दिल्ली का नया मंत्रिमण्डल सशक्त एवं कार्यक्षम है। वैसे एक बड़ी सच्चाई तो यही है कि दिल्ली की जीत अगर किसी एक चेहरे पर हुई थी, तो वह नरेंद्र मोदी थे। दिल्ली की जनता से मोदी ने जो वायदे किये हैं, उनको पूरा करने के लिये वे स्वयं दिल्ली पर निगरानी रखेंगे। उनका मार्गदर्शन एवं नेतृत्व ही दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखेगा। प्रवेश वर्मा सहित छह लोगों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। इस सूची में पंकज सिंह, आशीष सूद, रवींद्र इंद्रराज, कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम शामिल है। पंकज सिंह बिहार के रहने वाले हैं और राजपूत चेहरा हैं, इसके अलावा रविंद्र इंद्राज दलित चेहरा हैं, कपिल मिश्रा ब्राह्मण तो सिरसा सिख। भाजपा ने सभी वर्गों को मंत्रिमण्डल में जगह दी है।

मुख्यमंत्री के रूप में रेखा गुप्ता का सफर चुनौतीपूर्ण रहने वाला है, क्योंकि उनका उन सारी घोषणाओं और वादों को पूरा करना है, जो चुनाव के दौरान तीन किश्तों में जारी चुनाव घोषणा पत्र में किए थे और जिसे सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बार-बार दोहराया था। इनमें यमुना की सफाई, स्वच्छ पेयजल, साफ प्रदूषण रहित हवा दिल्ली को देना, प्रति वर्ष 50 हजार नई नौकरियों का सृजन, महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपये देना, वृद्धों को पेंशन, मुफ्त बस यात्रा, नालों गलियों सीवर की सफाई, सड़कों की मरम्मत, ट्रैफिक जाम से निजात समेत आप सरकार की मुफ्त बिजली पानी जैसी लोकलुभावन योजनाओं को जारी रखना शामिल होगा। खासकर 15 साल तक मुख्यमंत्री रहीं और दिल्ली की सूरत बदलने वाली शीला दीक्षित के कामकाज से रेखा सरकार के कामकाज की तुलना होगी। इसके साथ ही रेखा गुप्ता को उपराज्यपाल और केंद्र सरकार के साथ तालमेल बिठाते हुए भी ये संदेश भी देना होगा कि वे कठपुतली मुख्यमंत्री नहीं हैं। इसके लिए उन्हें शीला और सुषमा का उदाहरण सामने रखकर नयी रेखाएं खिंचनी होगी। भले ही मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ रेखा गुप्ता दिल्ली के दिलों पर छा गई हो, एकाएक उनके फॉलोअर्स की रफ्तार देख हर कोई हैरान हो, उन्होंने दिग्गजों को पछाड़ा हो, लेकिन असली परीक्षा अब होगी और वह परीक्षा है उनका काम करने का तरीका एवं दिल्ली को दुनिया की अव्वल राजधानियों में शुमार कराने का।

रेखा गुप्ता के सामने विपक्ष आम आदमी पार्टी के आक्रामक विरोध से निपटने की भी चुनौती होगी। 22 विधायक और 43 फीसदी मत प्रतिशत वाली आप विधानसभा के भीतर बाहर सरकार के विरोध में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इन बाहरी चुनौतियों के साथ ही पार्टी के भीतर वो नेता जिनकी नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, उनके भीतरघात से भी सजग रहने व निपटने की चुनौती होगी। हालांकि, मौजूदा भाजपा नेतृत्व के दौर में भीतरघात बहुत असरदार नहीं बचा है, लेकिन इसके बावजूद भाजपा नेताओं की ही एक जमात उन्हें विफल होते भी देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री को उन पर भी नजर रखनी होगी। आखिरी सबसे बड़ी चुनौती नौकरशाही पर सार्थक नियंत्रण और उसे जनोन्मुखी बनाने की होगी। साथ ही दिल्ली के सभी वर्गों समूहों और क्षेत्रों में संतुलन साधते हुए विकास करने की होगी। दिल्ली देश की राजधानी और केंद्र के सीधे नियंत्रण में है, इसलिए उनके हर काम पर देश एवं दुनिया के मीडिया के साथ-साथ केन्द्र की नजर रहेगी, इसलिए उन्हें फूंक फूंक कर कदम रखने होंगे। दिल्ली का विकास केजरीवाल सरकार के दौर में अवरुद्ध रहा है। जीत के बाद विजयी भाषण में प्रधनमंत्री मोदी ने यमुना को लेकर कई बड़े वादे किए हैं, जिनपर रेखा गुप्ता सरकार को खरा उतरना होगा। तय डेडलाइन पर यमुना का जीर्णोद्धार हो पाए इसका इंतजार दिल्ली की जनता कर रही है। दिल्ली की जनता यमुना नदी को अहमदाबाद की साबरमती नदी की तर्ज पर सौन्दर्यकरण के साथ विकसित होते हुए देखने को उतावली है। दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में इस वक्त सड़क कॉरिडोर प्रस्तावित है। इसके अलावा दिल्ली में कई स्थानों पर सड़कों का बुरा हाल है। इन सड़कों को दुरुस्त कराना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। दिल्ली में पूर्ववर्ती आप सरकार ने चार अस्पताल बनाने का लक्ष्य रखा था, लेकिन इसे पूरा नहीं किया जा सकता है। वहीं, आयुष्मान आरोग्य मंदिर से जुड़ी योजना भी लागू करना होगा। दिल्ली में जिस प्रकार सार्वजनिक परिवहन की जरूरत बढ़ती जा रही है, उस अनुरूप बसों की संख्या बढ़ानी होगी। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ और वायु प्रदूषण बड़ी समस्या रही है। भाजपा इन मुद्दों पर आप पर हमलावर रही है लेकिन अब जब खुद भाजपा सत्ता में आ गई है तो इसके लिए कोई बहाना दिल्ली की जनता को रास नहीं आएगा। वायु प्रदूषण के कारण ना केवल लोगों के स्वास्थ्य प्रभावित हो रहे हैं बल्कि बच्चों के स्कूल बीच सेशन बंद भी कराने पड़ते हैं। भाजपा ने चुनाव के वक्त अपनी पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। रेखा गुप्ता अपनी टीम की छवि कितनी साफ, अहंकारमुक्त एवं पारदर्शी रख पाती हैं, यह भी उनके लिए बड़ी चुनौती होगी। वहीं, आप सरकार में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच कराना भी इसकी जिम्मेदारी होगी। महिलाओं एवं युवाओं के मुद्दों को लेकर भी उन्हें संवेदनशीलता दिखानी होगी। निश्चित ही मुख्यमंत्री का ताज फूलों से ज्यादा कांटोंभरा ताज है, लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रयोगशाला में तपकर निकली रेखा गुप्ता दिल्ली के शासन को एक नई आभा देकर सभी चुनौतियों से पार पायेगी, इसमें सन्देह नहीं है।

– ललित गर्ग

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता एवं हेल्थ खतरे में

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है। 'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियों या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माध्यम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियाँ भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है।

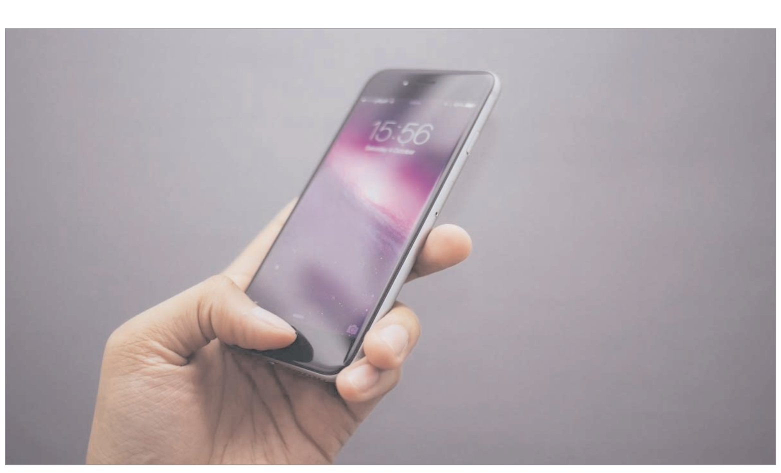

तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। ज्यादा मोबाइल का इस्तेमाल करने से पढ़ाई में बाधा आती है, नैसर्गिक शैक्षणिक गुणवत्ता आहत होती है।

भारत में 21 राज्यों के ग्रामीण समुदायों में 6-16 वर्ष की आयु के स्कूली बच्चों के 6,229 अभिभावकों के बीच किए गए अखिल भारतीय सर्वेक्षण से पता चला कि अधिकतर बच्चे पढ़ाई के बजाय मनोरंजन एवं अश्लील सामग्री के लिए स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं। सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन छात्रों के पास गैजेट्स हैं, उनमें से 56.6 प्रतिशत ने डिवाइस का इस्तेमाल मूवी डाउनलोड करने और देखने के लिए किया, जबकि 47.3 प्रतिशत ने उनका इस्तेमाल संगीत डाउनलोड करने और सुनने के लिए किया। सर्वेक्षण से पता चला है कि ग्रामीण भारत में 49.3 प्रतिशत छात्रों के पास स्मार्टफोन की पहुंच है, लेकिन उनमें से केवल 34 प्रतिशत ही पढ़ाई के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

वैश्विक स्तर पर, आज दुनिया भर में 6.378 बिलियन स्मार्टफोन उपयोगकर्ता हैं- जो कि कुल आबादी का लगभग 80.69 प्रतिशत है। इसमें दो मत नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। आललाइन कक्षाओं के बढ़ते प्रचलन में लगने लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही साबित हुआ है। निश्चित तौर पर ये उनके भटकाव, गुमराह, दिग्भ्रमित और मानसिक विचलन का कारण भी बना है। इसी कारण कई देशों में स्कूलों में स्मार्टफोन पर बैन लगा दिया है, क्योंकि इन देशों का मानना है कि यह बच्चों की शिक्षा और उनकी गोपनीयता पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

अनेक देशों में हुए सर्वेक्षणों ने स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इनकी रिपोर्ट एवं चौंकाने वाले तथ्य भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाले हैं। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ आधुनिकीकरण एवं विकास की अपेक्षा को दर्शा कर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके अनियंत्रित एवं अवांछित प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में अनियंत्रित इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित, अश्लील, अनुपयोगी सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग छात्रों के मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए बुरा है तथा इसके लगातार उपयोग से चिंता का स्तर बढ़ता है, आत्म-सम्मान कम होता है तथा अकेलेपन की भावना बढ़ती है।

–ललित गर्ग

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाये जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला है। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं। इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है।

शख्सियत

छायावाद के सबसे प्रमुख स्तंभ रहे सूर्यकांत त्रिपाठी, पीएम नेहरू से थे वैचारिक मतभेद

21 फरवरी को सूर्यकांत त्रिपाठी %निराला% का जन्म हुआ था। वह हिंदी कविता के छायावाद के सबसे प्रमुख स्तंभ हैं। भले ही द्विवेदी युग में खड़ी बोली हिंदी में कविता लिखने की परंपरा प्रचलित हो गई थी। लेकिन खड़ी बोली में लिखी कविताओं को तब तक साहित्यिक कसौटी पर बहुत बेहतर नहीं समझा जाता था। खड़ी बोली हिंदी में लिखी कविता को साहित्यिक प्रतिष्ठा दिलाने का श्रेय छायावाद को जाता है। जिसमें से सबसे प्रमुख योगदान महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का भी है। निराला ने भाव और भाषा के स्तर पर जितने प्रयोग किए, उतने प्रयोग छायावाद के किसी अन्य कवि ने नहीं किए हैं। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर सूर्यकांत त्रिपाठी %निराला% के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

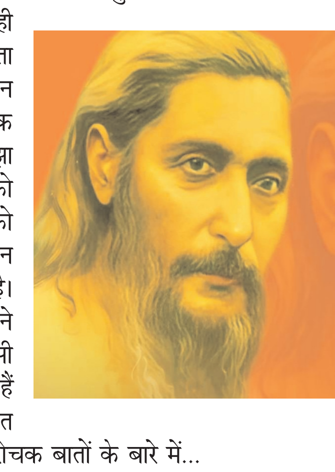

जन्म और शिक्षा

पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में 21 फरवरी 1896 को सूर्यकांत त्रिपाठी %निराला% का जन्म हुआ था। बता दें कि 20 साल की उम्र में उन्होंने हिंदी सीखनी शुरू की थी। क्योंकि उनकी मातृभाषा बांग्ला थी। इसके बाद उन्होंने हिंदी भाषा को अपने लेखन का जरिया बनाया। निराला ने न सिर्फ हिंदी में महारत हासिल की थी और वह हिंदी साहित्य के अग्रणी भी रहे। उनके बचपन का नाम सुर्जकुमार रखा गया था। इनके पिता का नाम रामसहाय तिवारी था। वह उन्नाव जिले के गढ़ाकोला गांव के रहने वाले थे। निराला की शिक्षा हाई स्कूल तक हुई थी।

पंडित नेहरू से वैचारिक मतभेद

सूर्यकांत त्रिपाठी के भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु के साथ वैचारिक मतभेद थे। वह पीएम नेहरू के पश्चिमी पालन-पोषण के बेहद आलोचक थे। एक बार पीएम नेहरू जब इलाहाबाद आए, तो उन्होंने निराला से मुलाकात का संदेश भेजा। लेकिन निराला उनसे मिलने नहीं गए और कहा कि भाई जवाहर बुलाएं तो वह नंगे पांव मिलने जा सकते हैं। लेकिन वह पीएम नेहरू से मिलने नहीं जाएंगे। जब यह बात तत्कालीन पीएम नेहरू तक पहुंची तो वह खुद ही उनसे मिलने के लिए दारागंज स्थित उनके आवास पर गए थे।

गांधी जी से टकराव

दरअसल साल 1936 में महात्मा गांधी ने एक साहित्य समारोह के दौरान कह दिया कि %हिंदी साहित्य में एक भी रविंद्रनाथ टैगोर नहीं हुआ है।% जिस पर सूर्यकांत त्रिपाठी ने महात्मा गांधी से आगे बढ़कर पूछा कि क्या आपने पर्याप्त हिंदू साहित्य पढ़ा है। जिस पर महात्मा गांधी ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी साहित्य का अध्ययन अधिक नहीं किया है। तब निराला ने कहा कि %आपको मेरी भाषा हिंदी के बारे में बात करने का अधिकार किसने दिया।% साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह गांधी जी को अपनी कुछ रचनाएं भेजेंगे, जिससे कि गांधी जी को हिंदी साहित्य के बारे में बेहतर जानकारी मिल सके।

महादेवी वर्मा को मानते थे बहन

बता दें कि निराला ने हिंदी साहित्य को जितना मजबूत करने का काम किया था, उससे कहीं ज्यादा उन्होंने पूरे मानव समाज को सार्थक बनाने का काम किया था। उनके पास अपने लिए कुछ भी नहीं था। वह हिंदी के बड़े कवि और साहित्यकार थे। लेकिन निराला के पास रॉयलटी का पैसा भी नहीं रहता था। एक बार महादेवी वर्मा ने सूर्यकांत त्रिपाठी से कहा कि उनका सारा रुपया वह रखेंगी, जिससे कि कुछ तो बच सके और भविष्य में निराला के काम आ सके। निराला के लिए महादेवी उनकी छोटी बहन थी, इसलिए वह अपना सारा पैसा महादेवी वर्मा को दे देते थे और जरूरत पड़ने पर उनसे मांगते थे।

अलीजेह के बाद भांजे अयान अग्निहोत्री को प्रमोट करेंगे सलमान खान

भांजी अलीजेह को उनकी पहली फिल्म 'फर्रे' के लिए प्रमोट करने के बाद सलमान खान अब अपने भांजे अयान अग्निहोत्री के लिए आगे आए हैं। गायक, संगीतकार और रैपर के रूप में 'यूनिवर्सल लॉज' के साथ शुरुआत के लिए तैयार अयान के ट्रैक को सलमान दुबई में लॉन्च करेंगे। 'अग्नि' के नाम से मशहूर अयान 20 फरवरी को अपने ट्रैक 'यूनिवर्सल लॉज' के साथ एक गायक, संगीतकार और रैपर के रूप में शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ट्रैक को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया जाएगा, जिसमें सलमान अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ समारोह में शामिल होंगे।

एक सूत्र ने बताया कि कार्यक्रम में अरबाज खान, सोहेल खान, अलवीरा खान अग्निहोत्री, अर्पिता खान शर्मा, बॉबी देओल, सोनाक्षी सिन्हा समेत अन्य कई सितारे शामिल होंगे। उन्होंने बताया, 'यूनिवर्सल लॉज' सिर्फ एक गाना नहीं है – यह एक बहुमुखी कलाकार के रूप में अग्नि का शानदार बयान है। एक गायक, रैपर, गीतकार और संगीतकार के रूप में उन्होंने इस ट्रैक में अपने दिल के साथ आत्मा को भी डाल दिया है। गाने के जरिए मजबूत कहानी को एनर्जी से भरे बीट्स के साथ जोड़ा गया है। 'यूनिवर्सल लॉज' के निर्माता आदित्य देव हैं। दुबई में अपने स्टार-स्टडेड लॉन्च के बाद 'यूनिवर्सल लॉज' अग्नि के आधिकारिक यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर दुनिया भर में उपलब्ध होगा। अयान अलवीरा (सलमान की बहन) और अतुल अग्निहोत्री के बेटे हैं। अयान इससे पहले अपने मामा सलमान के साथ विशाल मिश्रा के ट्रैक 'यू आर माइन' में काम कर चुके हैं।

एक पुराने इंटरव्यू में अयान ने कहा था, मामू और विशाल मिश्रा (संगीतकार) कुछ समय से गाने पर काम कर रहे थे। उन्होंने एक संगीत वीडियो भी शूट किया था और अंतिम आउटपुट को बाउंस करके रिलीज करने के बहुत करीब थे। लेकिन मामू को लगा कि ट्रैक में कुछ और जोड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सलमान ने अलवीरा को फोन करके पूछा था कि क्या अयान गाने के एक सेक्शन के लिए रैप कर सकते हैं। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि मैं यह करना पसंद करूंगा। इसलिए, मैंने 8-बार सेक्शन पर रैप के दो वर्जन लिखे। मामू ने इसे सुना और पसंद किया और मुझे विशाल से मिलने के लिए कहा। मैंने 20 मिनट में दोनों वर्जन लिखे थे।

शादी में बब्बर परिवार के शामिल न होने पर प्रिया बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर शादी रचाई। प्रतीक राज बब्बर और दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे हैं। प्रतीक ने अपनी दिवंगत मां स्मिता के मुंबई स्थित घर में ही शादी रचाई। लेकिन, इस शादी में उनके पिता राज बब्बर शामिल नहीं हुए। न ही बब्बर परिवार का कोई और सदस्य दिखाई दिया। इस पर प्रतीक की दुल्हन प्रिया बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी है।

सभी महत्वपूर्ण लोग मौजूद थे

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी की शादी में न तो राज बब्बर नजर आए और न ही उनके सौतेले भाई-बहन जूही और आर्य बब्बर दिखे। इतने अहम दिन पर बब्बर परिवार की अनुपस्थिति के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद बब्बर परिवार के साथ प्रतीक के रिश्तों में कुछ दूरियां आ गई हैं। या कोई नाराजगी है। इन अफवाहों पर बात करते हुए प्रिया बनर्जी ने कहा, हमारे लिए जो मायने रखते हैं वो सभी लोग शादी में मौजूद थे।

क्या राज बब्बर को परिवार का सदस्य नहीं मानतीं प्रिया?

शादी के फंक्शन में बब्बर परिवार के शामिल न होने को लेकर प्रिया बनर्जी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि परिवार का कोई भी सदस्य गायब नहीं था। उन्होंने कहा, पता नहीं ऐसी अफवाह क्यों हैं? वहां हमारे लिए महत्वपूर्ण और परिवार के सभी लोग मौजूद थे। मेरे माता-पिता, प्रतीक की मौसियां, नाना-नानी, जिन्होंने प्रतीक की परवरिश की। सभी लोग शामिल थे। वे सभी लोग मौजूद थे, जिन्हें परिवार माना जाता है। प्रिया की इस टिप्पणी के बाद यह सवाल किया जा रहा है कि क्या प्रिया राज बब्बर को परिवार का हिस्सा नहीं मानती हैं।

यह घर उनकी तरफ से तोहफा है

प्रिया बनर्जी ने अपनी शादी के दिन का जिक्र करते हुए कहा कि शादी बिल्कुल वैसी ही हुई, जैसा उन्होंने और प्रतीक बब्बर ने सोचा था। उन्होंने इसे एक स्पेशल अवसर बताया। उन्होंने कहा कि उस खास घड़ी में परिवार के सभी लोग एक ही छत के नीचे मौजूद रहे। प्रिया ने बताया कि प्रतीक की मां यानी अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने वह घर काफी अरमानों से खरीदा था कि उसमें रहकर प्रतीक का पालन-पोषण करेंगी, लेकिन हालात ने इसकी इजाजत नहीं दी। प्रिया ने कहा, हमें यकीन है कि यह घर उनकी ओर से एक तोहफा है, वे चाहती थीं कि हमारा सफर यहीं से शुरू हो।

सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर रश्मि देसाई ने किए कई खुलासे

टीवी की तपस्या से पहचान पाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में अपने करियर और सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बहुत सी बातें की हैं। उन्होंने कहा कि रश्मि और सिद्धार्थ ने करीब 9 महीने तक एक दूसरे से बात तक नहीं की थी।

रश्मि देसाई ने सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बात की। भारती सिंह के पॉडकास्ट में रश्मि ने कहा कि हमारी अलग तरह की चीजें लोगों ने देखी बिग बॉस में। वो भी अच्छा था, मैं भी लोगों की मदद करती थी लेकिन जो कड़वाहट हमारे बीच आ गई थी, उस कारण ही ये सब हुआ। रश्मि देसाई ने कहा कि दिल से दिल तक हमारे बीच बात ही नहीं होती थी। हमारे काम के बीच ये तकरार कभी नहीं आई। वो जितना अच्छा इंसान था, दिल का भी उतना ही अच्छा था। साल 2018 में मेरा समय ठीक नहीं था, मैंने कई सारी चीजें इस दौरान सीखीं। रश्मि ने कहा कि हमनें काम के दौरान करीब 9 महीने तक बात की है।

काम को लेकर बोलीं रश्मि देसाई

रश्मि देसाई ने कहा कि मुझे अच्छा काम करना है। मैं ऐसा काम करना चाहती हूं, जिससे मुझे चैलेंज मिले। रश्मि देसाई ने कहा कि मैं घूमना चाहती हूं। मैं रोड ट्रिप करना चाहती हूं।
रश्मि ने कहा कि मुझे ब्रांड्स का कुछ खास शौक नहीं है लेकिन फिर भी मैं कुछ खर्च करना चाहती हूं। इन सबके बीच खुद को समय देना चाहूंगी।

बिग बॉस को लेकर कही ये बात

बिग बॉस 13 को लेकर भी रश्मि देसाई ने बात की। उन्होंने कहा कि ये शो मैंने सिर्फ पैसों के लिए किया था। मुझे उन दिनों पैसों की बहुत जरूरत थी। रश्मि ने कहा वो पांच महीने हमारे लिए ऐसे थे, जिसे हम आज तक नहीं भुला पाए हैं। रश्मि देसाई ने कहा कि बिग बॉस के दौरान वे जीवन में भी बहुत कठिन परिस्थिति से गुजर रही थीं। मुझे लगता है कि बिग बॉस करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा निर्णय रहा।

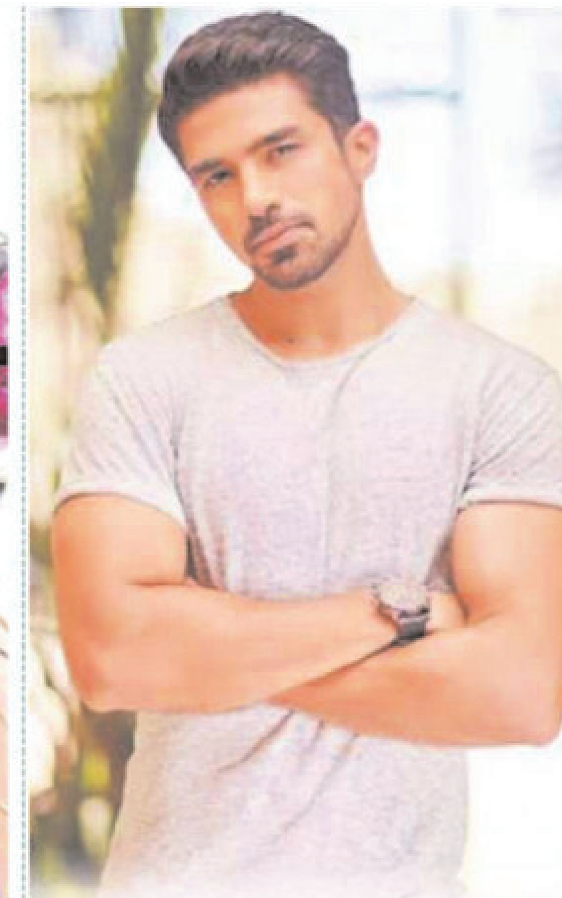

ऑडिशन देने में नहीं कोई शर्म, बिना स्ट्रगल के कुछ नहीं मिलता, काम को लेकर बोले साकिब सलीम

83 और रंगबाज में नजर आ चुके साकिब सलीम इन दिनों क्राइम बीट शो में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। साकिब सलीम ने अपने करियर और शोज को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर के पड़ावों पर ऑडिशन देने से पीछे नहीं हटते हैं।

पत्रकार होना आसान नहीं

इंटरव्यू में साकिब ने पत्रकार की भूमिका को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वाकई ये बहुत मुश्किल जिंदगी है। यहां दिन-रात और तीन बार के खाने का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। आप हर समय किसी न किसी काम के पीछे भागते रहते हैं। बहुत जल्दी आपको कुछ भी नहीं मिलता है।

बदला लोगों को देखने का नजरिया

अभिनेता ने कहा कि अब अगर कोई मेरे पास स्टोरी मांगने या किसी बातचीत के लिए आता है तो मैं अब उन्हें अलग नजरिए से देखता हूं। पहले मैं ऐसा नहीं था, इस शो का मुझ पर काफी असर हुआ है। वे भी अपना काम ही करते हैं। अब मैं उनसे कहता हूं कि रुकिए मैं क्या बात कर सकता हूं, जिससे आपको स्टोरी मिल सके। ये बदलाव मैंने अपने अंदर महसूस किया है।

ऑडिशन देने में कोई शर्म नहीं

साकिब ने कहा कि वे अभी भी ऑडिशन देते हैं। स्ट्रगल करते हैं और इसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है। साकिब ने कहा, आपको हर किरदार के लिए काम करना पड़ता है। मैंने अपने जीवन में 15-16 फिल्में या शो किए होंगे। अगर मैंने ऑडिशन नहीं दिया है, तो हर चीज के लिए भागदौड़ करनी पड़ी है। यह मेरे पास नहीं आया। मुझे कई जगहों पर जाना पड़ा और लोगों को खुद पर विश्वास दिलाना पड़ा।

ऑडिशन की बात आ जाता था गुस्सा

साकिब ने कहा कि उन्हें ऑडिशन किए जाने की बात पर गुस्सा आ जाता था। वे बुरा मान जाते थे, हालांकि, अब उन्हें इस बात का महत्व समझ आ गया है। उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको ऑडिशन देने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यह आपका काम है। आप घर बैठे बेहतर अभिनेता नहीं बन सकते हैं।

फिल्म मालिक में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं। फिल्म का नाम है मालिक। इस फिल्म का जबसे एलान हुआ है, दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पर अपडेट शेयर कर दिया है। यह फिल्म जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मकेर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से परदा उठाया है। 15 फरवरी को टिप्स फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें फिल्म से राजकुमार राव का लुक शेयर किया है। हाथों में गन थामे एक्टर इंटेंस लुक में दिख रहे हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक। इसके साथ बताया गया है कि फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आलिया भट्ट के लिए बोले करण जौहर, नहीं सोचा था वो इतनी बड़ी अभिनेत्री बनेंगी

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर ने आलिया भट्ट को अपनी फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करवाया। करण जौहर ने अब एक इंटरव्यू में आलिया भट्ट और अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा से जानते थे कि आलिया भट्ट स्टार बनने वाली हैं, लेकिन इतनी सफल अभिनेत्री बनने वाली हैं, नहीं पता था।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर को लेकर कही ये बात

यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स को दिए इंटरव्यू में करण जौहर ने कहा कि वरुण और सिद्धार्थ मेरे असिस्टेंट रह चुके थे माय नेम इज खान में। आलिया को मैं पहली बार लॉन्च करने जा रहा था। मैं उनसे पहली बार मेरे ऑफिस में मिला था, जब वे स्कूल से आई थीं। जब इन तीनों को मैंने लॉन्च किया तो अपनी टीम से साफ कह दिया था कि इन तीनों के साथ आप बड़े स्टार्स की तरह ही ट्रीट करें। हमनें कभी उन्हें नए सितारों की तरह ट्रीट किया ही नहीं। हमने हमेशा उन्हें मेगा स्टार की तरह रखा, ताकि वे भी उसी तरह से काम कर सकें।

आलिया भट्ट को लेकर बोले निर्देशक

करण जौहर ने कहा, हमेशा लगा की आलिया स्टार बनेंगी, लेकिन इस किस्म की अभिनेत्री बनेंगी, यह मैं नहीं सोच पाया। करण जौहर ने कहा कि हमेशा कहता हूं कि उनका इमोशनल लॉन्च स्टूडेंट ऑफ द ईयर था और प्रोफेशनल लॉन्च हाइवे थी। उस फिल्म ने आलिया के लिए एक्टिंग के सारे दरवाजे खोल दिए।

अपनी निर्देशित फिल्मों पर की बात

करण जौहर ने अपने करियर की गेम चेंजिंग फिल्म को लेकर बात की है। करण जौहर ने कहा, जब मैं माय नेम इज खान फिल्म पर काम कर रहा था। मुझे लगता था कि ये फिल्म मेरे दायरे के बाहर है। 12 सालों बाद मुझे लगा कि मुझे सच में काम आता है, मैं निर्देशक हूं।

18 अप्रैल को रिलीज होगी केसरी चैप्टर 2

साल 2019 में आई अक्षय कुमार की फिल्म केसरी सुपरहिट साबित हुई थी। अब वे केसरी चैप्टर 2 में नजर आएंगे। फिल्म मार्च में होली के अवसर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इसकी नई रिलीज डेट से परदा उठ गया है। मालूम हो कि इस बार फिल्म में आर. माधवन भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा अनन्या पांडे भी फिल्म का हिस्सा हैं। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म अप्रैल में दस्तक देगी। फिल्म कैसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। भले ही फिल्म का नाम कैसरी चैप्टर 2 है, लेकिन 2019 की केसरी की कहानी से इसका लेना-देना नहीं है। इस फिल्म की कहानी वकील और पॉलिटिशियन रहे सी. शंकरन नायर पर आधारित है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का नाम पहले शंकरा रखा गया था, लेकिन बाद में बदल दिया गया। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो यह आजादी से पहले की है। इसमें स्वतंत्रता के दौरान हुई कई महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया जाएगा।

प्रकृति के साथ कई तरह से स्वास्थ्य लाभ

चाहे मौसम कोई भी हो प्रकृति के पास हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के अनगिनत स्रोत हैं। इसलिए चाहे कड़ाके के ठंड ही क्यों न पड़ रही हो अच्छी तरह गर्म कपड़े पहनें और निकल पड़ें प्रकृति की गोद में क्योंकि इस मौसम में बाहर निकलने से आपके स्वास्थ्य को जो फायदे मिलेंगे वे घर के अंदर रजाई में बैठकर नहीं मिल सकते

टहलने से बढ़ेगी एकाग्रता और रचनात्मकता

अध्ययन बताते हैं कि जब आप बाहर टहलने निकलते हैं तब हमारे मस्तिष्क की कार्यपणाली और मेंटल फोकस में इजाफा हो ता है। स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार टहलने से न केवल फिजिकल एक्टीविटी बढ़ती है बल्कि दिमाग में नये-नये विचारों का आवागमन भी होता है। उटाह यूनिवर्सिटी द्वारा कराये गये एक अन्य अध्ययन में पाया कि एक क्रिएटिव टेस्ट में जगह-जगह यात्रा करने वाले पार्टिसिपेंट्स ने बिना किसी गैजेट की सहायता के पचास प्रतिशत ज्यादा अंक प्राप्त किये। शोधकर्ताओं का मानना है कि खुद को चौबीसों घंटे कंप्यूटर और अन्य गैजेट्स से चिपकाये रखने की आदत के फलस्वरूप लोग टहलना भूल रहे हैं। बाहर ज्यादा समय गुजारने से फोकस भी बढ़ता है। शहरों में रहने वाले बच्चे जो घर के आसपास ही खेलते हैं, की तुलना में पाकरे में धमा चौकड़ी बचाने वाले बच्चों का फोकस बेहतर होता है।

बेहतर होता है मूड

मायो क्लीनिक के अनुसार यह बात तो सभी जानते हैं कि सर्दियों में हम उदासीन हो जाते हैं मूड अच्छा नहीं रहता। इस मौसम में दस से बीस प्रतिशत लोगों में सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर (एसएडी यानी सैड) डिप्रेशन का कारण बनता है। इसके लक्षणों में एंजाइटी, थकान, नींद और उदासीनता शामिल है। शोधकर्ता मानते हैं कि सैड सर्दियों के छोटे दिनों का परिणाम है और इस दौरान प्राकृतिक रोशनी भी बहुत कम मिलती है। यहां तक कि नियमित व्यायाम करने वालों को भी सर्दियां घरों में बंद कर देती हैं जिससे उनका धूप में निकलना कम हो जाता है। इसलिए सैड का जल्द और तुरंत इलाज ज्यादा से ज्यादा बाहर निकलना है। चाहे बाहर खूब ठंड हो रही हो।

ज्यादा बाहर यानी ज्यादा विटामिन डी

सैड के लक्षणों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा वक्त जब हम बाहर गुजारते हैं तब धूप हमारे शरीर को आवश्यक किरणों को सोखने का मौका देती है। विटामिन डी हार्ट अटैक से बचाव करता है साथ ही ऑस्टीयोपोरोसिस और कई तरह के कैंसर जैसी स्थिति में फायदा पहुंचाता है। हालांकि कुछ खाद्य पदार्थो के जरिये भी विटामिन डी लिया जा सकता है जैसे मछली, अंडा और चीज आदि। लेकिन 80 से 90 प्रतिशत तक हम इसे सूरज से ही पा सकते हैं।

एक्सरसाइज रुटीन को करता है रिचार्ज

जब सर्द हवाएं चल रही हों या फिर घना कोहरा छाया हो ऐसे में बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के लिए खुद को प्रेरित करना थोड़ा कठिन होता है। लेकिन बाहर निकल कर दौड़ना अच्छा वर्कआउट माना जाता है, आप चाहें तो साइकिलिंग करके ज्यादा से ज्यादा कैलोरी बर्न कर सकती हैं या फिर किसी तरह की फिजिकल एक्टविटी करके एक्सरसाइज का फायदा उठा सकती हैं। ऐसा मानना है न्यूयॉर्क टाइम्स में छपे एक शोध का। इसका मतलब यह है कि धुंध भरी सुबह अपने आलस्य को छोड़कर बाहर एक्सरसाइज करने के लिए निकल पड़िये। यह आपको पूरे दिन तरोताजा रखेगी। सर्दियों में सुबह-सुबह टहलने निकलने का एक फायदा यह भी है कि आपको सड़कें खाली मिलेंगी, कोहरे में टहलते हुए आप पेड़ों से गिरती हुई ओस की बूंदे देखकर प्राकृतिक नजारों का लुफ्त उठा सकती हैं।

कई बीमारियों में कारगर प्राकृतिक प्रकाश

पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन के अनुसार प्राकृतिक रोशनी यानी सूरज की किरणों में आरोग्यात्मक गुण पाये जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि स्पाइनल सर्जरी वाले रोगियों में धूप में बैठने के बाद दर्द और तनाव का स्तर कम पाया गया। दरअसल जो रोगी 46 प्रतिशत धूप में ज्यादा बैठे उन्हें चिकित्सा अवधि के दौरान 22 प्रतिशत दर्द का कम अहसास हुआ। एजिंग हेल्थ ऑफ जर्नल में छपे एक और अध्ययन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ-साथ हमारा बाहर टहलने निकलना और ज्यादा जरूरी हो जाता है। एक 70 वर्षीय व्यक्ति जो प्रतिदिन बाहर समय व्यतीत करता है उसे शरीर में दर्द का अहसास कम होता है साथ ही नींद की समस्या भी नहीं रहती। उनकी दिन-प्रतिदिन के क्रियाकलापों में भी बहुत कम गिरावट देखी गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्रकृति में ज्यादा वक्त गुजारने से आप वृद्धावस्था में भी स्वस्थ रह सकती हैं।

अनोखा एनर्जी बूस्टर है मीठा और ताजा खजूर

मीठे, ताजे और नरम डेट्स यानी खजूर देखने में आकर्षक तो लगते ही हैं, साथ ही स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद होते हैं। बच्चे हों या बड़े हर किसी के लिए यह पोषक तत्वों, मिनरल्स और विटामिन्स से भरा फल है। सामान्य ग्रोथ, विकास और पूरे शरीर के स्वास्थ्य के लिए जिन चीजों की जरूरत पड़ती है, वह सब इस फल में मौजूद हैं। ताजे खजूर नरम होते हैं और आसानी से पच जाते हैं। इसमें साधारण शुगर जैसे फ्रूकटोज और डेस्ट्रोज मौजूद होते हैं। इसे खाते ही पूरे शरीर में फुर्ती और ताकत का संचार होता है और व्यक्ति अपने आप को ऊर्जावान पाता है।

खजूर में प्रचुर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं। ये कोलेस्ट्रोल को कम करते हैं। खजूर में मौजूद फाइबर कोलोन कैंसर से भी बचाव करते हैं। खजूर में टेनिन हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। इसमें एंटी इफेक्टिव, एंटी इनफ्लेमटरी और एंटी हिमोरेजिक गुण होते हैं, जो शरीर से आसानी से खून बहने नहीं देता।

खजूर कब्ज से परेशान लोगों के लिए रामबाण है। इसे लैक्जेटिव फूड भी कहा जाता है। इसमें प्रचुर मात्रा में घुलने वाले फाइबर पाए जाते हैं। खजूर को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाने से कब्ज में जल्द फायदा मिलता है।

हड्डियों की मजबूती और ताकत के लिए खजूर को सुपर फूड भी माना जाता है। यह आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों से भी बचाव करता है। इसमें मौजूद सेलेनियम, मैग्नीज, कॉपर और मैग्नेशियम बढ़ती उम्र में भी हड्डियों की मजबूत रखते हैं।

खजूर में मौजूद निकोटिन आंत संबंधी कई बीमारियों से बचाता है। यह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है और भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है। खजूर में प्रचुर मात्रा में मिनरल पाए जाते हैं, जो किसी भी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के दौरान शरीर में आयरन की कमी नहीं होने देता। एनिमिया के मरीज इसे अपने हर दिन के खाने में शामिल कर सकते हैं। यह शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ा कर थकान, आलस और कमजोरी दूर करता है। मौसमी एलर्जी से भी यह बचाता है।

खजूर में शुगर, प्रोटीन और कई जरूरी विटामिंस मौजूद होते हैं, जो हेल्दी डाइट का काम करते हैं। अगर अपने मसल्स बनाना चाहते हैं और साथ ही थोड़ा वेट भी चाहते हैं, तो खजूर एक बेहतर विकल्प है। लेकिन ध्यान रहे पूरा दिन इसे न खाएं वरना आप मोटापे के शिकार हो सकते हैं। खजूर एनर्जी बूस्टर का भी काम करता है।

उम्र बढ़ने के साथ नर्वस सिस्टम भी कमजोर होता जाता है। ऐसे में खजूर में मौजूद विटामिंस इसे सही रखने में मदद करता है और दिमाग तेज बनाता है। इसमें मौजूद पोटेशियम न सिर्फ आपका दिमाग बल्कि दिल को भी दुरुस्त रखता है। कमजोर दिल के मरीज इसका सेवन कर अपने हार्ट को हेल्दी बना सकते हैं। रात भर भिगो कर सुबह अगर इसे खाया जाए तो मरीज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके अलावा खजूर, कान, नाक और गले की बीमारियों में भी लाभदायक है। इसके पत्ते को पीस कर आंखों के आसपास लगाने से रतौंधी (नाइट ब्लाइंडनेस) जैसी समस्या कम होती जाती है। पके हुए खजूर में मौजूद पोटेशियम क्रोनिक डायरिया में भी आराम पहुंचाते हैं। यह मानव शरीर के लिए अचूक दवा है। इसका नियमित सेवन एबडामिनल कैंसर जैसी बीमारी से बचाता है।

खजूर हर उम्र के लोगों के लिए टॉनिक की तरह काम करता है। इसलिए सर्दी हो या गर्मी इसे नियमित रूप से अपने खाने में शामिल करें। मगर ध्यान रहे, खाने से पहले इसकी क्वालिटी जरूर जांच लें और साथ ही इसे अच्छी तरह धो लें।

अखरोट खाएं और दूर भगाएं कई रोग

नट्स हमेशा सेहत के लिए फायदेमंद रहे हैं। बात अगर अखरोट की करें, तो यह एनर्जी का बेहतर स्रोत होने के साथ इसमें शरीर के लिए बेहतर पोषक तत्व, मिनरल्स, एंटीआक्सीडेंट और विटामिन प्रचुर मात्रा में मौजूद हैं। हर मौसम में अखरोट मिल जाते हैं। मगर यह अगस्त में बिल्कुल तैयार हो जाता है। अखरोट का तेल खाना बनाने के अलावा दवाइयों और खुशबू के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

अखरोट में मोनोसेचुरेटेड फैट जैसे ओलिस एसिड प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे सिनोलिक एसिड, अल्फा फिनोलिक एसिड और एराकिडोनिक एसिड भी काफी मात्रा में मिलते हैं। अखरोट का नियमित सेवन खून में बैड कोलेस्ट्राल को कम कर गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाता है।

हर दिन 25 ग्राम अखरोट के सेवन से 90 फीसद ओमेगा-3 फैटी एसिड भी मिलता है। इससे रक्तचाप, कोरोनरी आर्टरी डिजिज और स्ट्रोक के रिस्क कम होते हैं। इसका सेवन ब्रेस्ट कैंसर, कोलोन कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव करता है। अखरोट को ब्रेन फूड भी कहा जाता है। अखरोट में कई तरह के यौगिक मौजूद होते हैं जैसे मेलाटोनिन, विटामिन ई, कैरोटिनायड जो हमारे स्वास्थ्य को सही रखने में मदद करते हैं। यह यौगिक कैंसर, बुढ़ापा, सूजन और मस्तिष्क से संबंधित बीमारियों से बचाता है।

विटामिन-ई शरीर के लिए बेहद जरूरी होता है और अखरोट में प्रचुर मात्रा में विटामिन ई मौजूद होता है। विटामिन ई शरीर को हानिकारक आक्सीजन से सुरक्षा देता है। सौ ग्राम अखरोट में लगभग 21 ग्राम विटामिन-ई की मात्रा पाई जाती है। विटामिन के अलावा इसमें और भी जरूरी विटामिन मौजूद होते हैं जैसे विटामिन बी कांप्लेक्स समूह के शइबोफ्लैविन, नियासिन, थाइमिन, पेंटोथेनिक एसिड और विटामिन बी 6 और फोलेट्स।

डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी

कमर दर्द का कारगर समाधान

विशेषज्ञों का मानना है कि डेस्क पर लंबे समय तक बैठे रहना और झुककर काम करते रहने से युवाओं में पीठ संबंधी समस्याएं हो रही है। ऐसी दर्दनाक स्थितियों से छुटकारा पाने के लिए डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी सबसे आसान समाधान उभरकर सामने आया है। एक हालिया शोध के अनुसार दुनियाभर में अन्य किसी बीमारी के मुकाबले विकलांगता होने की सबसे बड़ी वजह पीठ के निचले हिस्से में दर्द होना है। इसका सबसे मुख्य कारण लगातार बैठे रहना और गलत मुद्रा में खड़े व बैठना है। जीवनशैली में व्यस्तता और लगातार काम करने की डिमांड के चलते प्रोफेशनल्स को इस तरह की समस्या का समाधान मिलना मुश्किल हो गया है। अब 35 साल के रजत मित्तल का ही उदाहरण लें। सारा दिन ऑफिस में डेस्क जॉब करना और कई बार तो घर आकर भी ऑफिस के ही काम में लगे रहना या फिर निढाल होकर टीवी इत्यादि देखना। रजत की पिछले छह महीने से कमर में गंभीर दर्द है लेकिन बिजी होने की वजह से इस दर्द को लगातार अनदेखा किए जा रहे हैं। जब दर्द बिल्कुल बर्दाश्त से बाहर हो गया तो चेकअप कराया, जिससे उन्हें हर्निएटिड डिस्क समस्या की बात पता चली। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि लापरवाही और समय पर इलाज न कराने से विकलांगता का खतरा हो सकता है जिससे रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत हो सकती है। दिल्ली के वसंत कुंज स्थित इंडियन स्पाइनल इंजरीज के कंसलटेंट स्पाइन सर्जन डॉ. गुरुराज एम का कहना है, 'कुछ समय से युवाओं में जॉब के कारण लगातार लंबे समय तक अपने डेस्क पर बैठे काम करते रहने से पीठ दर्द जैसी समस्या सामने आ रही हैं। शारीरिक रूप से खड़े होने की तुलना में बैठने पर हमारी पीठ पर ज्यादा तनाव पड़ता है और लगातर बैठकर काम करने से आमतौर पर पीठ दर्द होने पर हर्निएटिड डिस्क या प्रोलेप्सड डिस्क, जिसे आमतौर पर स्लिप डिस्क कहते हैं, की समस्या हो जाती है। विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगी भर पाई गई है। इसका मतलब है कि रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है। इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते।

गौरतलब है कि इंसान की रीढ़ 33 हड्डियों से मिलकर बनी है, जिसे वर्टिब्रा कहते हैं। ये स्पंजी इंटरवर्टिबल्र डिस्क और लिगामिंट के साथ है। यही इंटरवर्टिबल्र डिस्क रीढ़ को गतिशीलता और सहारा प्रदान करती है। जन्म के समय 80 प्रतिशत तक इंटरवर्टिबल्र पानी से भरा होता है और ये सख्त कोलेजन फाइबर से घिरा होता है लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है खानपान में पोषक न होना, खाना-पीना सही न होना और सही मुद्रा न होने के कारण पानी कम होने लगता है। इसके साथ-साथ प्रोटीन कम होने लगता है जिसके कारण रीढ़ की हड्डी सख्त होने लगती है और हड्डियों में टूट फूट होने लगती है। हर्निऐटिड डिस्क में एक या इससे अधिक इंटरवर्टिबल्र डिस्क टूटने लगती है जिसके कारण जेली जैसा पदार्थ बाहर आने लगता है। इस लीकेज के कारण आसपास की नसों में दर्द होना या कई बार नसों में अकड़न आ जाती है। इस कारण शरीर के उस भाग में अकड़न आ जाती है और तेज दर्द होता है। अगर समय रहते हर्निऐटिड डिस्क का पता चल जाए तो इसे दवाइयों और फिजियोथेरेपी की मदद से मैनेज किया जा सकता है। हांलाकि गंभीर स्थितियों में कम से कम साइड इफेक्ट्स के साथ सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

इस बारे में डॉ. गुरुराज कहते है, 'पहले सर्जरी के विकल्पों में स्पाइन फ्यूजन उपलब्ध था, हालांकि ये समस्या का इलाज करने में काफी हद तक सक्षम था लेकिन इससे रीढ़ की हड्डी में स्पेस और गतिशीलता कम हो जाती है जिस वजह से इससे जुड़े वर्टिब्रा पर तनाव पड़ता है। लेकिन आधुनिक डिस्क रिप्लेसमेंट थे रेपी ने पीठ दर्द से जुड़ी समस्याओं से निजात पाने का बेहतरीन विकल्प दिया है। डिस्क रिप्लेसमेंट थेरेपी में पुरानी और विकृत डिस्क को प्रोस्थेटिक डिस्क के साथ बदल दिया जाता है और इससे वर्टिब्रा में भी लचीलापन रहता है। यह एक मोबाइल धातु डिस्क होता है जिसे वर्टिब्रा के बीच में रखा जाता है जिससे यह प्राकृतिक रूप से ही काम करने लगती है। जो लोग अपने काम और घर की जिम्मेदारियों को ज्यादा समय के लिए नजरअंदाज नहीं कर सकते, उनके लिए ये थेरेपी बेहद कारगर है।' पीठ दर्द की गंभीर स्थितियों में इस तरह की तकनीकों ने इलाज को बेहद आसान कर दिया है लेकिन इसके अलावा सभी को अपनी जीवनशैली में थोड़े बहुत बदलाव करना चाहिए जिससे शारीरिक रूप से मजबूती आये और पीठ दर्द जैसी समस्याओं से दूरी बनाई जा सके।

विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि 80 प्रतिशत पीठ दर्द की व्यापकता जिंदगीभर पाई गई है। इसका मतलब है कि मजबूत रीढ़ की हड्डी के बिना हमारा सेहतमंद रहना असंभव है, इसके बावजूद हम अपनी पीठ की उचित देखभाल नहीं करते

राकेश कुमावत ने राजस्थान टीम में स्थान पाकर नेशनल रग्बी चैंपियनशिप में शिल्वर मेडल जीता

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.) कस्बे के निकट ग्राम श्रवणपुरा के यंगेस्ट नॉलेज पावर स्कूल के छात्र राकेश कुमावत ने अंडर-15 सब जूनियर रग्बी नैशनल चैंपियनशिप 15 व 16 फरवरी 2025 को लक्ष्मी बाई इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन, ग्वालियर, मध्यप्रदेश में हुआ। राजस्थान टीम का हिस्सा रहते हुए सिल्वर मेडल जीता । इस दौरान शुक्रवार को राकेश कुमावत की इस उपलब्धि पर यंगेस्ट नॉलेज पावर स्कूल के निदेशक पवन कुमावत, प्रिंसिपल दानमाल शर्मा, धनराज कुमावत, अभिषेक शर्मा, ओम प्रकाश कुमावत, मेवाराम , भींवाराम , भंवर सिंह शेखावत आदि ने साफा व माला पहनाकर स्वागत किया और उनकी प्रतिभा के लिए बधाई दी।राजस्थान टीम के कोच देशराज बताया कि मार्गदर्शन और राकेश कुमावत की कड़ी मेहनत ने इस उपलब्धि को हासिल किया है। राकेश कुमावत की इस उपलब्धि से हमारे क्षेत्र से कई बच्चे प्रेरित होकर आगे जाएंगे। पवन कुमावत ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय से पिछले 3 वर्षों से निरंतर शिक्षा के साथ-साथ खेलों में बच्चे राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में सफल हो रहे हैं और यह हमारे लिए एक गर्व की बात है आगे भी हमारे विद्यालय से इसी प्रकार से बच्चे आगे निकालते रहेंगे।

प्रशासन ने गैर मुमकिन सकडे रास्ते पर चलाया पीला पंजा

जयपुर टाइम्स

कुचामन सिटी(निसं.)। कस्बे के निकट ग्राम उगरपुरा के राजस्व ग्राम श्रवणपुरा के गैरमुमकिन रास्ते की भूमि पर जमा अतिक्रमण को शुक्रवार को प्रशासन ने हटवाया। जानकारी के अनुसार ग्राम श्रवणपुरा के खसरा नम्बर 329,331 के रास्ते की भूमि पर अवैध अतिक्रमण को लेकर तहसीलदार कार्यायल में आवेदन प्राप्त हुआ की पड़ोसी खातेदार रास्ते को सकडा कर रखा । जिससे आने जाने में लोगों को परेशानी हो रही है।जिस पर तहसीलदार कैलाश ईनाणिया के आदेश पर नायब तहसीलदार अमित कुमार जिंदौलिया मय जाप्ता मौके पर पहुंचकर करवाई की गई। आरआई दुर्गाराम मेघवाल ने कहा कि दोनों पक्षों के साथ समझाइश करते हुए। जेसीबी के पीले पंजे की सहायता से रास्ते के दोनों तरफ से अतिक्रमण को हटा कर 19 फिट चोड़ा किया गया। इस मौके पर नायब तहसीलदार अमित कुमार जिंदौलिया, आरआई दुर्गाराम मेघवाल, आरआई बिजेश कुमार ,पटवारी मंजू मेघवाल,हल्का पटवारी प्रतीक्षा तिवाड़ी , महिपाल सिंह मिल, ग्राम विकास अधिकारी भावना चावला, हेड कांटेबल गोपालराम मीणा, रोशन लाल, सुखाराम, कास्टेबल मंजू, , नर्मदा, सुप्यारी देवी, तेजाराम मय जाप्ता मौजूद थे। जिलिया फोटो कैप्शन। 01जेसीबी से रास्ते से अतिक्रमण हटवाता प्रशासन।

वित्तीय साक्षरता सप्ताह 24 से 28 फरवरी तक

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। आरबीआई के निर्देशानुसार वित्तीय समावेशन में हितधारकों के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए 24 से 28 फरवरी, 2025 तक वित्तीय साक्षरता सप्ताह-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिला परियोजना प्रबंधक राजीविका ने बताया कि वित्तीय साक्षरता सप्ताह के तहत 24 फरवरी को दोपहर 12 बजे मलारना डूंगर के ब्लॉक कार्यालय भाड़ौती में एवं दोपहर 2 बजे ब्लॉक कार्यालय बौंली में तथा 25 फरवरी को दोपहर 12 बजे बामनवास पंचायत समिति में एवं दोपहर 2 बजे ब्लॉक कार्यालय गंगापुर सिटी में वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 27 फरवरी को दोपहर 12 बजे ब्लॉक सवाई माधोपुर के बड़ौदा आरसेटी में एवं अपरान्ह 3 बजे चौथ का बरवाड़ा की नई पंचायत में तथा 28 फरवरी को दोपहर 12 बजे खण्डार पंचायत समिति में वित्तीय साक्षरता सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

आमजन की हाईपरटेन्शन, डायबिटिज तथा कॉमन कैंसर की होगी स्क्रीनिंग

'एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले में चलेगा एनसीडी स्क्रीनिंग सघन अभियान-2025'

20 फरवरी से 31 मार्च 2025 तक होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिले भर में 20 फरवरी से 31 मार्च, 2025 तक एनपी-एनसीडी कार्यक्रम के अन्तर्गत आमजन की हाईपरटेन्शन, डायबिटिज तथा कॉमन कैंसर की स्क्रीनिंग का सघन अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान की जिला व ब्लॉक स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग कर इसे सफल बनाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन की हाईपरटेन्शन, डायबिटिज तथा कॉमन कैंसर की शत प्रतिशत स्क्रीनिंग कर गैर संचारी रोगों से होने वाली मृत्यु को कम करना है। मृत्यु के शीर्ष चार कारण हृदय संबंधी मौतें, क्रोनिक श्वसन रोग, कैंसर और मधुमेह है। अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय टास्क फॉर्स की जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन, मेडिकल ऑफिसर, नर्सिंग ऑफिसर, सीएचओ, एएनएम, फार्मासिस्ट, जिला और ब्लॉक स्तर पर आशा व एएनएम का प्रशिक्षण व रिओरिएंटेशन, चिकित्सा संस्थान एवं आयुष्मान आरोग्य मन्दिर स्तर पर आवश्यक लॉजिस्टिक की सुनिश्चितता की जाएगी। साथ ही ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक सीएमएचओ, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर, ब्लॉक हैल्थ सुपरवाईजर, ब्लॉक एलएचवी एवं पीएचसी हैल्थ सुपरवाईजर द्वारा अभियान की प्रतिदिन मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन किया जाएगा। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित सोनी ने बताया कि गैर संचारी रोगों के बढ़ने का मुख्य कारण जीवनशैली में परिवर्तन, समय पर निदान नहीं होना, नियमित समुचित उपचार का अभाव एवं फॉलोअप का अभाव है। यदि उक्त कारणों को कम किया जाता है तो गैर संचारी रोग से होने वाली मृत्यु को भी कम किया जा सकता है। अभियान में जिले के प्रत्येक चिकित्सा संस्थान पर एनसीडी क्लिनिक/एनसीडी कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे और अधिक से अधिक 30 व्यक्तियों की एनसीडी स्क्रीनिंग की जाएगी और उनका फोलो अप लिया जाएगा। साथ ही नेशनल एनसीडी पोर्टल पर प्रतिदिन डेटा इन्द्राज किया जाएगा। अभियान में जिला तथा ब्लॉक स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग की जाएगी।

हस्तेडा पीएचसी के सीएचसी में क्रमोन्नत होने पर ग्रामवासियों ने जताया पूर्व विधायक शर्मा का आभार

हाल ही के बजट में पीएचसी से सीएचसी की हुई थी घोषणा, पूर्व विधायक ने जताया मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री का आभार

जयपुर टाइम्स

चौमूँ(निसं.)। राजस्थान बजट 2025-26 के तहत ग्राम हस्तेड़ा की पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत करने की घोषणा पर आज ग्राम वासियों ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर आभार व्यक्त किया। ग्रामवासियों द्वारा हस्तेडा पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत कराने के लिए पूर्व विधायक शर्मा से माँग की थी, ग्रामवासियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए पूर्व विधायक शर्मा ने बजट वर्ष 2025-26 में हस्तेडा को सीएचसी में क्रमोन्नत करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और वित्त मंत्री दिया कुमारी को पत्र लिखा था। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने ग्राम हस्तेडा को दी गई इस बहुमूल्य सौगात के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी का आभार व्यक्त किया। शुक्रवार को चौमूँ में

ग्रामवासियों ने पूर्व विधायक शर्मा का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया और मिठाई खिलाकर खुशी ज़ाहिर की। इस मौक़े पर पूर्व प्रधान महेश मीणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष बनवारी शर्मा ,पूर्व सरपंच प्रतिनिधि प्रभुदयाल कुमावत, शक्ति केंद्र संयोजक सत्यनारायण कुमावत, बाबूलाल जोशी, पूर्व उपसरपंच मुकेश महर्षि, किसान मोर्चा अध्यक्ष अमर चन्द निठारवाल, पूर्व उपसरपंच मुरलीधर नील, हरि छिपा, मदन यादव, बूथ अध्यक्ष सुरेश चंद यादव, अशोक बिहारीका, सुबोध मिश्रा, गोविंद व्यास, लक्ष्मीनारायण कुमावत, शिम्भू मोयल, राधेश्याम सेन, एस सी मोर्चा उपाध्यक्ष राधेश्याम रेगर, मोहम्मद स्माइल, श्रीराम मॉयल, राधेश्याम मॉयल, जुगल नायक, विष्णु जोशी, कैलाश नारेडा ,बद्री स्वामी, गोपाल शिवनगर, श्रीकृष्ण व्यास, डीपी पारीक, राजेंद्र मीणा बृजबिहारी, गजानन सहित कई ग्रामवासी उपस्थित थे।

एक दिवसीय प्रायोगिक प्रशिक्षण का किया आयोजन

जयपुर टाइम्स

बस्सी(निसं.) रेंज में वन विभाग की ओर से राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता संरक्षण परियोजना में मृदा एवं जल संरक्षक विषय को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें वन विभाग के अधिकारीयो और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें ऑटो लेवल मशीन से सर्व एवं लेवल नापने, ए फेम से कन्दुर डालने का अभ्यास, सलोभ नापना आदि के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान योगेश गुप्ता विशेषज्ञ मृदा एवं जल संरक्षण, रेंजर नमोनारायण मीणा ,वनपाल रामनरेश मीना,वन मंडल जयपुर एवं वन मंडल वन्यजीव जयपुर के अधिकारी उपस्थित रहे।

धमकियों से परेशान व्यापारी ने सुसाइड किया

बाड़मेर(निसं.)। बाड़मेर में किराना व्यापारी ने टांके (अंडरग्राउंड वाटर टैंक) में कूदकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड से पहले व्यापारी ने 3 वीडियो बनाए। इनमें व्यापारी ने कहा- नारणाराम रबारी, मुझे मारने की धमकियां दे रहा है। इसने हमारे घर में बहुत दुख उत्पन्न कर दिया है। आज मेरा लास्ट दिन है। मैं बहुत परेशान हूं।

नाम परिवर्तन

मैं मोहम्मद शोकत पुत्र नबीबक्ष जाति लीलगर निवासी वार्ड न.19 बिसाऊ तहसील बिसाऊ जिला झुंझुनूं राजस्थान का हूं। मैं अपने दस्तावेजों के अनुसार मेरे पासपोर्ट नं.F0123153 में मेरा नाम मोहम्मद शोकत [MOHAMMED SHOKAT], मेरे पिता का नाम नबी बक्स रंगरेज [NABI BUX RANGREJ] मेरी जन्म तिथि 15-02-1974 से दुरूस्त कर मेरा नाम मोहम्मद शोकत [MOHAMMAD SHOKAT], पिता का नाम नबीबक्ष [NABIBKASH] जन्म तिथि 01-01-1975 करवाना चाहता हूं।

विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय मेडिटेशन शिविर का आयोजन

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू नेशनल हाईवे 52 कोटखावदा पुलिया के पास जी वी एम सीनियर सेकेंडरी स्कूल चाकसू में बोर्ड परीक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए श्री रामचंद्र मिशन के हार्टफुलनेस द्वारा तीन दिवसीय मेडिटेशन शिविर लगाया गया। गोस्वामी विद्या मंदिर शिक्षा समिति के अध्यक्ष गोपाल लाल गोस्वामी ने बताया कि पहले दिन विद्यार्थियों को रिलेक्सेशन और ध्यान केंद्रित करना ,दूसरे दिन आंतरिक सफाई,और अंतिम दिन अंतरात्मा से मिलन के लिए ध्यान करवाया, जिससे विद्यार्थी परीक्षा के दिनों में अपना ध्यान केंद्रित करके सफलता हासिल कर सके, हार्टफुलनेस के कुशल शर्मा ने बताया कि यह संस्था भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय और यूनाइटेड नेशन के साथ जुड़ी हुई है व संस्था भविष्य में भी जीवीएम स्कूल के केंद्र पर अपनी सेवाएं विद्यार्थियों को देती रहेगी कार्यक्रम में जीवीएम के डायरेक्टर आशीष गोस्वामी, एम पी अग्रवाल, हरीश वर्मा,सरला गुप्ता,लालचंद सैन आदि मौजूद रहे।

Mahindra & Mahindra Ltd. SYNISE e-Sale & Sourcing

E-Auction

Disposal of Arising Scrap and Hazardous Material (Licence/EPR Mandatory) through E-Auction (All Plants)

Auction Dates : Auto Division 28.02.2025 to 06.03.2025
Farm Division 08.03.2025 to 13.03.2025
Registration will close 1 day prior to auction.

For Contract Period & other details Please visit - synise.com
Cont: Sanjiv 7499157671 / 8308810318, sanjivl@synise.com

नगर परिषद सुजानगढ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास/2025/7120 दिनांक :– 19.02.2025

–: ई–निविदा सूचना–2025–26 :–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 05.03.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2425WSOB17672), (DLB2425WSOB17673) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर परिषद सुजानगढ

राज.संवाद/सी/24/12095

कार्यालय नगरपालिका मण्डल सांभर लेक, जिला–जयपुर

क्रमांक/न.पा.सां./निर्माण/2024–25/2012 दिनांकः–19.02.2025

ई–बोली सूचना (15/2024–25)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका सांभरलेक में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी ''A''AA'' श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन–लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई–बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

बोली का कार्य (कुल 02 कार्य)	:	NIB Code:-
Unique Bid Number		DLB2425WSOB17622, DLB2425WSOB17624
बोली की कुल लागत		राशि 33.36 लाख (सभी कार्यो की अनुमानित लागत)
बोली जारी करने की दिनांक		दिनांक 19.02.2025
बोली दस्तावेजों को डाउनलोड करने की दिनांक व समय		दिनांक 20.02.2025 को सांय 16.00 बजे से
ऑन लाईन बोली जमा कराने की अन्तिम दिनांक		दिनांक 03.03.2025 को सांय 16.00 बजे तक
भौतिक रूप से कार्यालय में बोली शुल्क व धरोहर राशि जमा कराने की दिनांक		दिनांक 04.03.2025 को अपराह 13.00 बजे तक नगर पालिका सांभरलेक कार्यालय में
ऑनलाईन तकनीकी बिड खोलने की दिनांक		दिनांक 05.03.2025 को अपराह 13.00 बजें
वित्तीय बिड खोलने की दिनांक व समय		Will be Intimated latter to the Technically qualified Bidders
बिड की वैधता समयावधि		90 days

अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

राज.संवाद/सी/24/12081

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

क्रमांकः 1766-82 दिनांक- 11.02.2025

ई-निविदा सूचना संख्या- 16/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से तहसील राजगढ जिला चूरु में निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी के सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई- टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। आर.पी डब्लयू.ए 100 की लागू होगी। निविदा से संबंधित विवरण बेबसाईट http://dipr.rajasthan.gov.in/tendrs.asp एंव विभागीय वेबसाईट Uhttp:// eproc. rajasthan.gov.in http://www.pwd.rajajasthan.gov.in तथा http:// sppp. raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB No. PWD2425A4163

W.No.	UBN No.	W.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB14972	2	PWD2425WSOB14973
3	PWD2425WSOB14974	4	PWD2425WSOB14975
5	PWD2425WSOB14976	6	PWD2425WSOB14977
7	PWD2425WSOB14978	8	PWD2425WSOB14979
9	PWD2425WSOB14980	10	PWD2425WSOB14981
11	PWD2425WSOB14982	12	PWD2425WSOB14983
13	PWD2425WSOB14984	14	PWD2425WSOB14985
15	PWD2425WSOB14986	16	PWD2425WSOB14987
17	PWD2425WSOB14988		

अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि खण्ड राजगढ (चूरू)

DIPR/C/2108/2025

राजस्थान सरकार

कार्यालय खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी जालसू, जयपुर

खुली बोली आमन्त्रण सूचना /2025-26

यूबीएन संख्या - 11 दिनांक- 17/2/25

वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु दिनांक 31.03.2026 तक की अवधि तक के लिए नीचे वर्णित सेवाओं के लिए पंजीकृत बोलीदाता / संवेदक से मुहरबंद बोली आमंत्रित की जाती है

क्र स	सेवा का विवरण	मात्रा	अनुमानित लागत (रुपये) लाखों में	बोली प्रपत्र शुल्क राशी (रूपये)	बोली प्रतिभूति राशी अनुमानित लागत का 2%	बोली दस्तावेज प्राप्त करने की दिनांक	बोली दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक	बोली खोलने की दिनांक
1	मशीन विद मैन	6	7.70	200	रू.23000	24.02.2025 से 06.03.2025	06.03.2025 दोपहर 12 बजे तक	06.03.2025 दोपहर 2 बजे
2	मशीन विद मैन एचएमआईएच एस	1	1.30					
3	लैब टेक्निशियन	2	2.50					

शर्ते- 1. निविदा की दरें एक वर्ष तक मान्य होंगी। 2. निविदा फार्म मय विस्तृत विवरण एंव शर्तों की प्रति कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा कराकर प्राप्त किये जा सकेंगे। 3. निविदा के साथ अमानत राशि का डीडी सचिव DISTRICT HEALTH SOCIETY BLOCK JALSU जयपुर के नाम देय होगा। 4. किसी भी या सभी निविदाओं को बिना बताये अस्वीकृत / निरस्त करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास होगा । बोली आमंत्रण सूचना मय बोली दस्तावेज राजस्थान राज्य पोर्टल http://sppp.rajsthan.gov.in पर भी देखा जा सकता है।
UBN NO- MHS2425 SLRC 04868
NIB NO- MHS2425 A 3409

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी
खण्ड जालसू जयपुर

DIPR/C/2287/2025

कार्यालय ग्राम पंचायत टोरडा गुजरान,

पंचायत समिति पावटा (जयपुर)

क्रमांक- ग्रा.पं.टो/निविदा/2024-25/66 दिनांक- 13/2/2025

ई-निविदा सूचना 2024-25

सर्वसाधारण एवं पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता है कि पंचायत समिति पावटा के अधिनस्थ ग्राम पंचायत टोरडा गुजरान में नियम 181 के तहत सक्षम श्रेणी ए, बी एवं सी तथा डी व ई श्रेणी के संवेदकों से खुली निविदा के माध्यम से (डिफेक्ट लाइबिलिटि पिरीयड वर्ष) कार्य के लिए आमंत्रित की जाती है। निविदा शर्ते एवं जी-शिड्यूल एवं अन्य सूचनाओं विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in/ व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN-
ZJP 2425 WSOB 01977
ZJP 2425 WSOB 01978
ZJP 2425 WSOB 01979
ZJP 2425 WSOB 01980
ZJP 2425 WSOB 01981

ग्राम विकास अधिकारी,
ग्राम पंचायत टोरडा गुजरान
पंचायत समिति पावटा

प्रशासक
ग्राम पंचायत टोरडा गुजरान
पंचायत समिति पावटा

कार्यालय ग्राम पंचायत खांसोली

(प. स. चूरू)

क्रमांक- निर्माण / ई-निविदा / 2024-25 / 21-26 दिनांक- 19-02-2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02 / 2024-25

इस कार्यालय द्वारा से स्वीकृत कार्य के लिए सक्षम श्रेणी के संवेदको से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित शर्ते एवं विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखी व डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है।

UBN. No- ZCR2425WSOB01741

सरपंच, ग्राम पंचायत
ग्राम पंचायत खांसोली
(चूरू)

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत खांसोली
(चूरू)

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
22 फरवरी, 2025

पूर्व वित्त मंत्री चंदनमल बैद की चूरू में 16 वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू जिला मुख्यालय पर पूर्व वित्त व नहर मंत्री चंदनमल बैद की 16बी पुण्यतिथि नई सड़क पर चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महन सरिया के सानिध्य में मनाई गई। इस अवसर पर महनसरिया ने कहा कि बैद ने चूरू जिले में विकास के नए आयाम स्थापित किए थे। उनको जिले की जनता युगों युगों तक याद रखेगी। आज उनके पुण्य प्रताप से चूरू जिले के लाखों किसान और आमजन पीने के पानी व सिंचित नहर के पानी से लाभ ले रहे हैं। इस अवसर पर चूरू नगर परिषद में प्रतिपक्ष नेता रहे मोहम्मद हुसेन निर्वाण, पार्षद विजय जालान, रिटायर्ड स्टेशन मास्टर अमीन खान, अमर सिंह दनेवा, हरफूल सिंह भाबू, सलीम मंडावरिया, महबूब खान सेठी, मनोज महनसरिया एडवोकेट, मुशी खा, कालूराम महर्षि, मोहन ट्रेलर आदि सहित अनेक लोगों ने बैद के चित्र पर पुष्प अर्पित करके अंत में 2 मिनट का मौन रखा गया।

अपर लोक अभियोजक पंकज स्वामी का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पंकज स्वामी को राजस्थान सरकार की ओर से तारानगर एडीजे कोर्ट के अपर लोक अभियोजक बनने पर क्षेत्र के शर्मा ई मित्र पर तहसील कार्यालय में काम करने वाले डीड राइटर, स्टाम्प वेंडर सहित बाजार के व्यापारियों ने साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया व बधाई दी। इस मौके पर द्वारका प्रसाद, ओमप्रकाश स्वामी, महेन्द्र सिँह भाटी, परमानंद शर्मा, दिनेश शर्मा, मांगीलाल, शक्ति सिँह राठौड़ सहित कई नागरिक मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र पर महिलाओं के साथ समूह चर्चा

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के (आरयूआईडीपी) चतुर्थ चरण में मंडावा शहर में आमजन की सुविधा के लिए जल प्रदाय तंत्र मे सुधार और विकास के लिए विभिन्न आधारभूत कार्य और जन सहभागिता सुनिश्चित करने जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी केंद्र पर महिलाओं के साथ समूह चर्चा की गई। प्रोजेक्ट के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के निर्देशन में आमजन में जनचेतना के माध्यम से परियोजना संदेश देने के लिए आरयूआईडीपी के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रूहेला की ओर से आँगनबाड़ी केन्द्र वार्ड 13 में उपस्थित महिलाओं से नए पानी के मीटर के फायदे व इसके रख रखाव के बारे में व जल संरक्षण के तरीके व परियोजना के तहत की जाने वाली जल सप्लाई की जानकारी दी। महिलाओं से अपील की कि जल सप्लाई के आगे पानी कि मोटर नहीं लगाए व भविष्य में मिलने वाले लाभ के बारे में चर्चा की। नयी पेयजल लाइन में समस्या आने पर उसका समाधान कैसे करे, इसकी भी जानकारी दी गई। सीएमएससी के योगेश आत्रेय ने उपस्थित महिलाओ से प्रोजेक्ट कार्यों में सहयोग करने को कहा, जिससे काम समय पर पूरे हो और इन का लाभ मंडावा शहर की जनता को मिले, सीवरेज कार्यो के फायदे व इसके रख- रखाव पर जागरूक किया। जागरुकता कार्यक्रम में कार्यकर्ता सुमन, सहायिका कमला देवी, एएनएम सावित्री, इंटरशिप से नर्मदा यादव, मनीषा तीनवाल, मनीषा कुमारी और एसओटी से जगदीश मीना, कुलदीप सिंह व सुनिता परिहार सहित वार्ड की महिलाओ ने कार्यक्रम में सहभागिता निभाई।

विशेष योग्यजन/दिव्यांग सहायता उपकरण चिन्हीकरण शिविर 25 को

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से पंचायत समिति झुंझुनू सभागार में 25 फरवरी को विशेष योग्यजन/दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सहायता उपकरण चिन्हीकरण शिविर आयोजित किया जाएगा। ब्लॉक सामाजिक सुरक्षा अधिकारी चरण कमल ने बताया कि शिविर में दिव्यांगों को व्हीलचेयर, ट्राईसाईकिल, बैशाखी, हियरिंग ऐड, वाकिंग स्टीक, स्मार्ट केन व अन्य उपकरण देने के लिए पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के लिए दिव्यांग को अपने साथ आधार कार्ड, जनआधार कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्रा, पेंशन पीपीओ, आय प्रमाण पत्रा एवं दो पासपोर्ट साईज की फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। शिविर में दिव्यांगजनों के लिए संचालित मुख्यमंत्राी स्वरोजगार योजना व सुखद विवाह योजना के आवेदन भी तैयार किए जाएंगे।

पीएम कुसुम योजना में लक्ष्य असीमितः कोई भी पात्र किसान कर सकेगा आवेदन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। पीएम कुसुम योजना के तहत स्टैंड अलोन सौर ऊर्जा पंप संयंत्रों के अनुदान के लिए आवेदन करने वाले किसानों के लिए अच्छी खबर है। पहले योजना में लाभ के लिए लक्ष्य निर्धारित था, लेकिन अब उसे असीमित कर दिया है। अब कोई भी पात्र किसान आवेदन कर सकता है। इस योजना के तहत किसानों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर स्टैंड अलोन सौर ऊर्जा पंप संयंत्रों पर अनुदान मिलेगा। इससे पहले विभाग की ओर से किसानों का लक्ष्य निर्धारित था, जबकि अब इस वित्तीय वर्ष तक योजना को असीमित कर दिया है। पीएम कुसुम योजना के लाभ के लिए किसान 31 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उद्यान विभाग झुंझुनूं के उप निदेशक विजयपाल ने बताया कि पहले योजना के लाभ के लिए लक्ष्य निर्धारित था, जबकि अब योजना को असीमित कर दिया है। ऐसे में अब कोई भी पात्र किसान 31 मार्च तक आवेदन कर सकता है, उसे योजना का लाभ मिलेगा।

60 फीसदी तक अनुदान

इस योजना के तहत किसानों को सिंचाई के लिए 3, 5, 7.50 और 10 एचपी पंपों पर 60 प्रतिशत अनुदान मिलेगा। 3 एचपी पंप पर 1.14 लाख रुपए, 5 एचपी पंप पर 1.76 लाख रुपए और 07.50 और 10 एचपी पंप पर 2.38 लाख रुपए का अनुदान मिलेगा। इसके अलावा एससी और एसटी वर्ग के किसानों को प्रति पंप 0.45 लाख रुपए का अतिरिक्त अनुदान दिया जाएगा।

पहले आओ, पहले पाओ की नीति

आवेदन ऑनलाइन लिए जाएंगे और निस्तारण पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। राज्य स्तर पर 32 फर्मों को अधिकृत किया गया है। जिनका चयन किसान साथी पोर्टल या किसान सुविधा ऐप से कर सकते हैं। किसान अपने पास जनाधार कार्ड, भूमि की जमाबंदी की प्रमाणित प्रति जो अधिकतम 6 माह पुरानी हो और कम से कम 0.4 हेक्टेयर भूमि का मालिकाना हक हो, सिंचाई जल स्रोत और कृषि विद्युत कनेक्शन नहीं होने का शपथ पत्र लेकर उपस्थित हो सकते हैं। उपनिदेशक विजयपाल ने बताया कि झुंझुनूं जिले को पहले 450 पंपों का लक्ष्य दिया गया था। जिसमें अब तक 421 की स्वीकृति भी जारी हो गई है। इसके साथ साथ ही कार्य आदेश भी 380 के आसपास कर दिए हैं। अब इस वित्तीय वर्ष में जो भी पात्र किसान आवेदन करेगा, उन सभी किसानों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

दो दिन में तीन पारियों में होगी रीट परीक्षा

झुंझुनूं, बगड़ और चिड़ावा में बनाए एग्जाम सेंटर

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं जिले में 27 और 28 फरवरी को अध्यापक पात्रता परीक्षा रीट होगी। परीक्षा के लिए झुंझुनूं, बगड़ और चिड़ावा में सेंटर बनाए गए हैं। 2 दिन में रीट परीक्षा 3 पारियों में होगी। पूरे राजस्थान में 15 लाख 44 हजार 418 कैंडिडेट्स शामिल होंगे। पहले दिन 27 फरवरी को पहली पारी में चिड़ावा में 3 व झुंझुनूं में 16 केन्द्र बनाए गए हैं। इस दिन कुल 6704 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। दूसरी पारी में 20 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी दूसरी पारी में 20,779 का पंजीयन है। इसके लिए बगड़ में 9, चिड़ावा में 14 व झुंझुनूं में 51 सेंटर बनाए गए हैं। इसी प्रकार दूसरे दिन पहली पारी में 20,768 का पंजीयन है। इसके लिए 64 सेंटर बनाए गए हैं। क्यूआर कोड से डमी कैंडिडेट पर लगाम लगेगी खास बात यह है कि इस बार रीट 2024 के एडमिट कार्ड में क्यूआर कोड होगा। इसे

स्कैन करते ही कैंडिडेट्स के बारे में पूरी जानकारी मिल जाएगी। डमी अभ्यर्थी पर अंकुश लगाने के लिए पहली बार कैंडिडेट्स का फेस रिकग्निशन होगा। साथ ही, अंगूठे का निशान भी लिया जाएगा। इसके अलावा पूरे प्रोसेस की वीडियोग्राफी कराने और सीसीटीवी से नजर रखने की व्यवस्था भी की गई है। आवेदन पत्र में लगाई गई फोटो का सेंटर पर लाइव फोटो मिलान करने के लिए फेस रिकग्निशन होगा। आगामी कर्मचारी चयन बोर्ड की भर्ती के लिए कैंडिडेट्स के अंगूठे का निशान भी लिया जाएगा। इससे डमी कैंडिडेट्स पर अंकुश लगेगा। पेपर सेंटर पर पहुंचने, खोलने और परीक्षा कक्ष तक पहुंचाने की पूरी प्रोसेस की वीडियोग्राफी होगी। पेपर कोऑर्डिनेटर व लाइंग के पास वीडियोग्राफर होगा। सभी सेंटर पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे।

वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। पीएम श्री राजकीय बागला उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वामी गोपाल दास राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य चंपालाल वर्मा रहे। विशिष्ट अतिथि समसा एपीसी हरिप्रसाद शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश कुमार सोनी ने की। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये प्राचार्य वर्मा ने कहा कि आगामी बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय व माता-पिता का नाम रोशन करें। एपीसी हरिप्रसाद शर्मा ने कहा कि वर्तमान युग में युवा पीढ़ी जागरूक होकर देश को गौरवान्वित करें। इस दौरान अतिथियों ने अध्यापिका कौशल्या शर्मा, प्रयोगशाला सहायक सुमनलता व सांस्कृतिक गतिविधि प्रभारी

व्याख्याता मंजू कुमारी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्काउट व एनएसएस के स्वयंसेवकों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। उपप्राचार्य हंसा शर्मा व विजयपाल धुआं ने टॉपर विद्यार्थी धोनी, अंकित गहनोलिया व निहार शर्मा को सम्मानित किया। इस दौरान दीपचन्द, रामकुमार, अलका गोगल, गायत्री प्रजापति, अख्तर अली, चन्दगी दूत, रेणु सुईवाल, कौशल्या शर्मा, भंवरी मोगा, सुमन लता, मंजू मील, राजेन्द्र सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य महेश कुमार सोनी ने आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया। जगदीश प्रसाद व विनोद ने कार्यक्रम में सहयोगी भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संचालन रमेश पूनिया ने किया।

झुंझुनूं की अलका का सहायक प्रोफेसर बनने पर किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं की अलका मीणा ने सहायक प्रोफेसर उर्दू के पद पर चयनित होकर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। अलका वर्तमान में सौंथलिया राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ईस्लामपुर में उप प्राचार्य पद पर कार्यरत हैं। अलका मीणा की इस सफलता पर बुधवार को विद्यालय में उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण महरिया ने अलका मीणा की इस उपलब्धि पर बधाई दी। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपप्राचार्य पुष्पांजलि चौधरी, व्याख्याता संतोष, व्याख्याता रविन्द्र कुमार, बबीता कुमारी, वरिष्ठ अध्यापक अंशु शेखर, ईरम खान, सुनिता कुमारी, गिन्नी योगी, रोनक सोनी, जतिन कटारिया, सुधीर चौधरी, दलीप कुमार आदि मौजूद रहे। अलका मीणा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता ने हमेशा उन्हें प्रोत्साहित किया और उनकी सफलता में उनका बहुत बड़ा योगदान है। उनके पिता अमरसिंह मीणा एलआईसी से सेवानिवृत अधिकारी हैं। उर्दू विषय में सहायक प्रोफेसर बनने पर अलका का विद्यालय में सम्मान किया गया। अलका मीणा की सफलता पर पूरे गांव और क्षेत्र को गर्व है। विद्यालय के प्राचार्य रामकृष्ण महरिया ने कहा कि उनकी सफलता ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अलका मीणा जैसी बेटियां समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। अलका का भाई अभिषेक भी मलसीसर महाविद्यालय में ऊर्दू सहायक प्रोफेसर है, भाभी नमृता व्याख्याता हैं। छोटा भाई अक्षय, भाभी मीनाक्षी और बहन अमला कुमारी केन्द्रीय मंत्रालय में कार्यरत हैं।

पीएसपी पोर्टल पर आवेदन के लिए टाईम फैम जारी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय बीकानेर की ओर से शैक्षिक सत्रा 2025-26 के लिए नवीन मान्यता, क्रमौन्नति और भवन, नाम, वर्ग परिवर्तन व अतिरिक्त माध्यम (अंग्रेजी/हिन्दी) की मान्यता के लिए टाईम फैम जारी किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार ढाका ने बताया कि उक्त कार्य के लिए 14 मार्च तक गैर सरकारी शिक्षण संस्थाओं की ओर से ऑनलाईन पीएसपी पोर्टल पर आवेदन किया जा सकता है। वहीं 15 मार्च से 31 मार्च तक (विलम्ब शुल्क 30 हजार रूपये) आवेदन किया जा सकता है। पोर्टल पर समस्त कॉलमों की पूर्ति कर और समस्त पत्रावली के दस्तावेज स्कैन कर ऑनलाईन अपलोड कर आवेदन शुल्क ई-ग्रास पोर्टल के माध्यम से जमा कराते हुए आवेदन लॉक करना है।

भूमि पूजन के साथ धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ, 26 को मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा

जयपुर टाइम्स

मंडावा(निस)। वार्ड नंबर दो में नव निर्माणाधीन ब्रह्म बगीची शिव मंदिर में शुक्रवार से धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। भूमि पूजन पंडित प्रदीप शर्मा फतेहपुर वाले के सानिध्य में किया गया। मुख्य यजमान शारदा नरेड़ा रही। 22 फरवरी को सुबह सवा 11 बजे गणेश व कलश पूजन, 25 फरवरी को सुबह सवा 9 बजे कलश यात्रा व मूर्ति नगर भ्रमण तथा ओमकारा आर्ट सरसा पार्टी की ओर से भव्य झांकी और नृत्य, रात्रि में भजन संध्या होगी। 26 फरवरी को सुबह सवा 10 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा और शिव अभिषेक व शाम को 4 बजे सियाराम जी की बगीची से शिव बारात प्रस्थान करेगी और इस दौरान सरसा की पार्टी की ओर से शिव तांडव, अघोरी नृत्य व विशेष झांकियां आकर्षण का केंद्र होगी और 27 फरवरी को भंडारा होगा। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान अमित बुडानिया, पार्षद राजकुमार सैनी, मुकेश बुडानिया, बनवारी लाल, बाबूलाल नेमीवाल, चांद बिहारी गुर्जर, सुरेश सैनी, मनोज शर्मा, नरेंद्र शर्मा, राम सैनी, राकेश तुनवाल, अशोक शर्मा, नरेश सैनी, दिनेश प्रजापति, शंकर लाल राकसिया, विष्णु शर्मा, जुगल किशोर शर्मा, विष्णु शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे ।

युवक ने ससुराल में सुसाइड किया

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं में एक व्यक्ति ने अपने ससुराल में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। एक कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। घटना शहर के बाकरा रोड़ पर स्थित इस्लाम नगर की है। शुक्रवार सुबह 11 बजे के करीब युवक ससुराल में एक कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए बीडीके अस्पताल पहुंचाया। हैड कांस्टेबल धर्मपाल ने बताया कि मृतक शकील (40) जिले के बिसाऊ थाना क्षेत्र के टांई गांव का रहने वाला था। दो-तीन महीने से झुंझुनूं में अपनी पत्नी के साथ ससुराल में रह रहा था। पांच महीने पहले ही विदेश आया था। इस संबंध में मृतक के भाई मुबारिक ने रिपोर्ट दी है। जिसमें मौत के कारणों का पता लगाने की मांग की है। जांच कर रहे है। प्रारंभिक जांच में पति-पत्नी में आपसी विवाद के कारण आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है। पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े कल झुंझुनू आएंगे

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े रविवार को झुंझुनू आएंगे। जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि राज्यपाल रविवार को 11.30 बजे कलेक्टेट सभागार पहुंचेंगें, जहां वे जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को सम्बोधित करेंगे। दोपहर 12.45 बजे सर्किट हाउस आएंगे। इसके बाद वे 4.30 बजे जिला मुख्यालय में एक निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम 5 बजे वे नवलगढ़ की डूण्डलोद गर्ल्स स्कूल के कार्यक्रम शिरकत करेंगे। रात 7.20 बजे वे नवलगढ़ के रूपनिवास पैलेस में रात्रि विश्राम करेंगे। जिला कलक्टर ने बताया कि राज्यपाल सोमवार को सुबह 9.15 बजे हैलीकाप्टर से बीकानेर के लिए रवाना होंगे।

यूनिक सखियां ग्रुप ने किया भजन संध्या का आयोजन

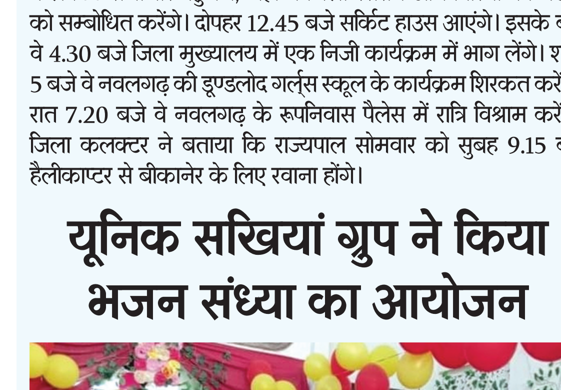

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। सोमानी गैस एजेंसी के पास श्री श्याम बाबा मंदिर परिसर में यूनिक सखियां समूह की ओर से भव्य भजन संध्या, फागोत्सव व एक शाम लखदातार के नाम कार्यक्रम का गुरुवार को आयोजन किया। इस मौके पर में बाबा श्याम का भव्य दरबार सजाकर आलौकिक श्रृंगार किया गया और अखंड ज्योति, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा, गजरा नृत्य, राधा कृष्ण की झांकी, धमाल व रंगों और फूलों की होली विशेष आकर्षण का केंद्र रही। आयोजन उपरांत उपस्थित सभी श्याम प्रेमियों को प्रसाद वितरित किया गया। यूनिक सखियां ग्रुप की अध्यक्ष नीतू ढंढ ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में यूनिक सखियां ग्रुप की श्वेता जोशी, सुमन पासोरिया , सुनिता पारिक, मधु मिश्रा, सरस्वती जालान, शारदा शर्मा व बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में कुसुम शर्मा, निलीमा शर्मा, लक्ष्मी नितेश गौतम व संध्या छावछरियां ने बाबा के दरबार में शानदार भजनो की प्रस्तुतियां दी।

मारपीट करने के मामले में विवाहिता की इलाज के दौरान बीकानेर में मौत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के पुलिस थाने में कुछ दिन पहले वार्ड 49 निवासी विवाहिता प्रीति मोदी के साथ मारपीट करने के आरोप में पति के खिलाफ मामला दर्ज हुआ था। बता दे कि विवाहिता की इलाज के दौरान बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में मौत हो गई। गुरुवार को पुलिस ने मृतका विवाहिता का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर मृतका के शव को पीहर पक्ष के परिजनों को सुपुर्द कर दिया। इसके बाद मृतका के शव को सरदारशहर लाया गया। जहां पर गुरुवार को बिहारी बन्धुओं के सहयोग से मृतका विवाहिता प्रीति मोदी के शव का अंतिम संस्कार किया गया। प्रीति मोदी के एडवोकेट

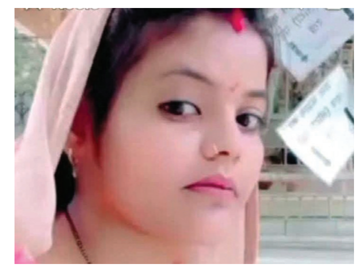

साजिद खान ने बताया कि वार्ड 49 निवासी हंसराज मोदी अपने पुत्र दिनेश मोदी की शादी करके प्रीति मोदी को बहु के रूप में यहां पर लेकर आया था और फिर प्रीति मोदी को मारपीट करके घर से निकाल दिया। उसके बाद प्रीति मोदी एक किराए के मकान में रहने लगी। कोर्ट में इनका मुकदमा चल रहा था और कोर्ट से प्रीति मोदी को भरण पोषण भी मिल रहा था। एडवोकेट ने बताया कि जब प्रीति मोदी की तबीयत खराब हुई तो मैंने और शहर के अन्य लोगों ने प्रीति मोदी को राजकीय अस्पताल में एडमिट करवाया और प्रीति मोदी के ससुराल वालों को सूचना दी कि इसकी तबीयत खराब है और आप आ जाओ तो प्रीति मोदी के ससुराल वालों ने अपशब्द बोलते हुए आने के लिए मना कर दिया। साजिद खान ने बताया कि फिर हमने सामाजिक लोगों की मदद लेते हुए सरदारशहर हॉस्पिटल से चूरू रेफर कर दिया और चूरू से बीकानेर रैफर कर दिया। उसके बाद बीकानेर में प्रीति मोदी की मौत हो गई। साजिद खान ने बताया कि मौत होने के बाद भी अंतिम संस्कार के समय में भी प्रीति मोदी के ससुराल का कोई भी व्यक्ति यहां पर नहीं पहुंचा है। साजिद खान ने बताया कि प्रीति मोदी का अंतिम संस्कार परिजन और बिहारी बन्धुओं की मौजूदगी और प्रशासन की मौजूदगी में हुआ है। कुछ दिन पहले सरदारशहर पुलिस थाने में बिहार निवासी जगरनाथ पासवान ने मामला दर्ज करवाया था कि मेरी बेटी प्रीति की शादी सरदारशहर के वार्ड 49 निवासी दिनेश पुत्र हंसराज मोदी के साथ हुई है। मेरी बेटी प्रीति को उसके पति दिनेश ने मारपीट कर करीब 4 साल पहले घर से निकाल दिया। तब से मेरी बेटी किराए के मकान में अकेली रहती है। मुझे सूचना मिली कि प्रीति की तबीयत खराब है तो मैं 1 फरवरी को सरदारशहर पहुंचा। इसके बाद सरदारशहर के सरकारी अस्पताल से प्रीति को चूरू अस्पताल रेफर कर दिया और फिर चूरू से बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। मेरी बेटी लगातार बेहोश थी। 4 फरवरी को मेरी बेटी को रात में होश आया, तब प्रीति बताया कि मेरे पति दिनेश ने 25 जनवरी को घर में मुझे अकेली पाकर मेरे पेट में मुक्का मारा और मुझे सरदारशहर छोड़कर जाने के लिए कहा और जान से मारने की धमकी दी। पेट में मुक्का मारने से मेरी तबीयत खराब हो गई। रिपोर्ट में बताया था कि मेरी बेटी प्रीति अभी भी पीबीएम अस्पताल के आईसीयू वार्ड में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। मेरी बेटी अभी भी बेहोश है। वहीं पूरे मामले को लेकर जब मीडिया कर्मियों ने थानाधिकारी से जानकारी चाही तो उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया।

लैब टेक्नीशियन संवर्ग की मांगों के समाधान की मांग, एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। लैब टेक्नीशियन संवर्ग की मांगों के समाधान के क्रम में अखिल राजस्थान लेबोरेट्री टेक्निशियन कर्मचारी संघ तारानगर ने उपखंड अधिकारी को दिया। संघ ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग में नित नए संक्रमण भरी जांचों की संख्या का भार बढ़ता जा रहा है उन्हीं के तहत शैक्षणिक प्रशैक्षणिक योग्यता के अनुसार हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल सहित अनेक राज्यों में राजस्थान से कम शैक्षणिक प्रशैक्षणिक योग्यताओं के बावजूद ग्रेड पे 4200 मिल रही है वहीं राजस्थान में ग्रेड पे 2800 मिल रही है। संघ ने लैब टेक्नीशियन की ग्रेड पे 4200 की माँग दशकों से चली आ रही संवेदनशीलता के साथ ग्रेड पे 4200 की मांग को अभिलंब समाधान कराने, राजस्थान में लैब टेक्नीशियन के जांच/मरीजों के अनुपात में कैडर के पदों का 17 साल पुराना स्टाफिंग पैटर्न लागू है, जांच कार्य 8 से 10 गुना बढ़ चुका है अन्य कैडरों में पूर्व से ही पर्याप्त मात्रा में पद स्वीकृत है लेकिन लैब टेक्नीशियन संवर्ग में 17 साल पूर्व के स्टाफिंग पैटर्न में जांच कार्य के अनुसार पद सृजित नहीं है। जिसके चलते संवर्ग की पदोन्नति से लेकर नई भर्तियां तक प्रभावित हो रही है। जांचों की बढ़ती हुई संख्या व गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए लैब टेक्नीशियन के स्टाफिंग पैटर्न को बदलवाने आदि की मांग की है।

छात्र छात्राओं को आरयूआईडीपी सिल्वर जुबली फोटोग्राफी एंड रील मेकिंग कांटेस्ट की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नई पेयजल वितरण प्रणाली का कार्य कर रही राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना के सामुदायिक जागरूकता व जन सहभागिता कार्यक्रम के तहत विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं को सरकार की ओर से चलाई जा रही लाभकारी विकास परियोजना के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक विकास अधिकारी विकास शर्मा ने शहर के जीवीएम बीएड कॉलेज के छात्र छात्राओं को आरयूआईडीपी सिल्वर जुबली फोटोग्राफी एंड रील मेकिंग कांटेस्ट की जानकारी दी। सपोर्ट इंजीनियर मोहम्मद रिजवान ने नयी पेयजल लाइन से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य पूराराम मेघवाल ने इस कार्यक्रम को सराहनीय बताया। सोशल आउटरीच टीम से पवन सिंह व महाविद्यालय के परिवार ने कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड भगवान का विराट स्वरूप है- कृष्णानन्द

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के लिलीया कुंआ के पास पेड़ीवाल परिवार की ओर से आयोजित भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक कृष्णानन्द महाराज ने बताया कि राजा परीक्षित को जब सात दिन में मरने का श्राप मिला तो परम् योगी शुकदेव मुनि ने मुक्ति का साधन भागवत कथा श्रवण बताया। भगवान नारायण के विराट रूप का वर्णन करते हुये बताया कि उनका ये सार्वभौमिक स्वरूप है। इस रूप में भगवान का संपूर्ण ब्रह्मांड में दर्शन होता है। विराट रूप में कई सिर, कई हाथ और जगद्व्याप्त स्वरूप होता है। भगवान के विराट रूप में विष्णु, शिव, ब्रह्मा, नरसिंह, हनुमान, गणेश, कार्तिकेय, अग्नि, बृहस्पति, इंद्र का दर्शन होता है जो की चर्म चक्षु से नहीं देखा जा सकता। इसके लिए भाव चक्षु चाहिए। ब्रह्मांड में जो कुछ भी दिखाई देता है वह विराट भगवान का ही स्वरूप होता है। महाराज ने सृष्टि विस्तार के प्रसंग का भी विस्तारपूर्वक बताया तथा भगवान के विविध अवतारों की कथा को श्रवण करवाया। कथा में महावीर पेड़ीवाल, अशोक पेड़ीवाल, पवन पेड़ीवाल, कमल पेड़ीवाल, श्यामसुंदर बजाज, कमल सेवदा, दीपक पेड़ीवाल, भरत मिश्रा, सौरभ जाजू, ललित पारीक, श्यामसुंदर सेवदा, बाबूलाल सैनी, दीपक जैन, हनुमान जोशी, गोविंद प्रजापत, कन्हैयालाल सिरसवा, विजय शंकर झंवर सहित बड़ी संख्या में महिलाओं व श्रोताजन उपस्थित रहे।

मातृभाषा दिवस पर बही राजस्थानी डिंगल की काव्य धारा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि. सं.)। मातृ भाषा दिवस पर जसवंतगढ़ के माहेश्वरी भवन में राजस्थानी की काव्यगत शैली डिंगल में काव्य पाठ का आयोजन किया गया। राजस्थानी भाषा के साहित्यकार व मरूदेश संस्थान के अध्यक्ष डॉ. घनश्याम नाथ कच्छावा ने बताया कि डिंगल के महान कवि भंवर पृथ्वीराज रतनूं, दासौड़ी और कैलाश सिंह रतनूं ने डिंगल के विभिन्न छंदो में काव्य पाठ कर राजस्थानी भाषा के महत्व को प्रतिपादित किया। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के कोलकाता स्थित सूचना केन्द्र के उप निदेशक हिंगलाज दान रतनू, पूर्व तहसीलदार गोकुल दान खिडिया, वरिष्ठ कवि कल्याण सिंह शेखावत सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इफको के नैनो यूरिया और नैनो डीएपी से बढ़ेगी फसल की पैदावार और गुणवत्ता

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के कृषि विज्ञान केंद्र में इफको की ओर से किसान जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान किसानों को नैनो यूरिया और नैनो डीएपी के फायदों से अवगत कराया गया। इफको के उपमहा प्रबंधक सोहनलाल सहारण ने बताया कि गेहूं, जौ, इसबगोल और मेथी की फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का छिड़काव करने से किसानों को शत-प्रतिशत लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन उत्पादों के इस्तेमाल से न केवल फसल का उत्पादन बढ़ता है, बल्कि गुणवत्ता में भी सुधार होता है। किसानों को सलाह दी गई कि 4 मिलीलीटर नैनो यूरिया और नैनो डीएपी को 1 लीटर पानी में मिलाकर पत्तियों पर छिड़काव करें। बालियां या फूल आने से ठीक पहले नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव करना विशेष लाभदायक होता है। दोनों उत्पादों का मिश्रित छिड़काव फसल को अतिरिक्त पोषण प्रदान करता है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के फॉर्म मैनेजर कानाराम, इफको के विनोद खेरवा और मनोज ढाका ने भी किसानों को नैनो यूरिया के लाभों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में रामस्वरूप, हरिराम, चेतन राम, भंवरलाल, परमेश्वर लाल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

फागोत्सव के तहत भजन संध्या 24 को

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। श्री श्याम एकादशी भक्त मंडल चूरू की ओर से फागोत्सव के तहत 24 फरवरी को स्थानीय श्री राम मन्दिर में कर ले श्याम से बात कार्यक्रम के अंतर्गत द्वितीय श्री श्याम संकीर्तन व भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 24 फरवरी को सांय 7 बजे से बाबा श्याम का भव्य कीर्तन आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में कोलकाता के शुभम-रूपम, लक्ष्मणगढ़ के प्रेम शर्मा, भिवानी के निखिल अग्रवाल व चूरू के मेहुल शर्मा और अनुज गोयल अपनी मधुर वाणी से भजनों की अमृत वर्षा करेंगे। इस दौरान बाबा श्याम का अलौकिक दरबार सभी के आकर्षण का केंद्र रहेगा। कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने मुख्य बाजार में व्यापारियों को निमंत्रण देकर अधिकाधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया।

श्याम मंदिर के स्वर्ण जयंती श्याम महोत्सव का शुभारंभ

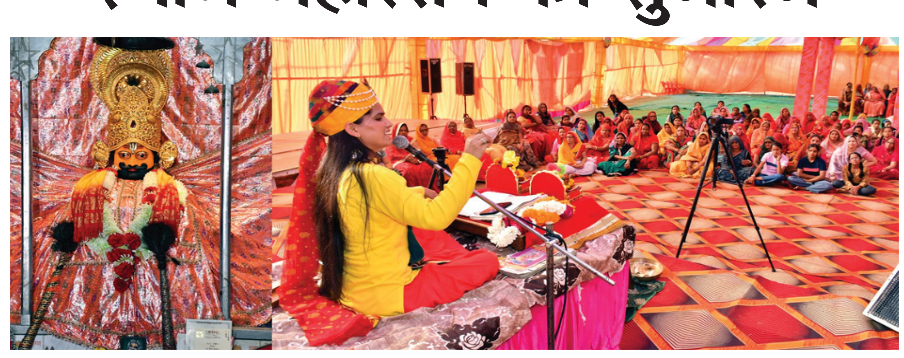

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के प्रतिभा नगर स्थित श्री श्याम मंदिर के स्वर्ण जयंती श्याम महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को नानी बाई रो मायरो से हुआ। छह दिवसीय आयोजन के प्रथम चरण में 21 से 23 फरवरी तक नानी बाई रो मायरो का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में शुक्रवार को मायरा वाचक भगवती गोस्वामी ने अपनी मधुर वाणी से एक से बढ़कर एक प्रसंग सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। पुजारी संतोष बुढ़ाढ़रा ने बताया कि श्री श्याम मित्र मण्डल की ओर से होने वाले इस छः दिवसीय कार्यक्रम के तहत बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार किया जाएगा। इत्र वर्षा, छप्पन भोग की झांकी, नृत्य नाटिका व नासिक के बैंड वादन की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण होंगी। बुढ़ाढ़रा ने बताया कि 22 फरवरी को सांय 7:15 बजे भव्य सुंदरकांड पाठ, 24 फरवरी को पंच कुंडीय महायज्ञ, 25 फरवरी को श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ व 26 फरवरी को श्री श्याम की भव्य निशान यात्रा व शोभायात्रा निकाली जाएगी। पाठ का वाचन आशीष शर्मा व मनीष राज खांडल करेंगे। नानी बाई रो मायरों कथा में शुक्रवार को बड़ी संख्या में शहर के महिला-पुरूषों ने भाग लिया।

जोधपुर की हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में भीषण आग

जोधपुर(निस)।

शहर के बोरानाडा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक वुडन हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में शुक्रवार शाम को भीषण आग लग गई। फिलहाल यहां निगम की 6 दमकलें आग बुझाने का प्रयास कर रही हैं। नगर निगम के फायर ऑफिसर हेमराज शर्मा ने बताया कि बोरानाडा फायर स्टेशन पर करीब 7 बजे के आसपास सूचना मिली कि मुख्य जोधपुर-बालोतरा बाड़मेर रोड पर स्थित गणेश हैंडीक्राफ्ट में आग लगी है। इस पर बोरानाडा से दो दमकल मौके पर पहुंची। यहां आग की भयावहता को देखते हुए चौपासनी हाउसिंग बोर्ड अग्निशमन केंद्र के प्रभारी प्रशांत सिंह भी टीम के साथ दो दमकल लेकर मौके पर पहुंचे।

भरत मिलाप प्रसंग का किया वर्णन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के ताल मैदान में गुरु गोरखनाथ जी जाहरवीर जी गोगाजी गौशाला समिति मीतासर की ओर से चल रही 9 दिवसीय श्रीराम कथा कथा के सातवें दिन प्रभु श्रीराम और भरत मिलाप के प्रसंग को सुनने के लिए श्रोताओं की खासी भीड़ रही। जब इस प्रंसग को भक्तों ने देखा तो उनकी आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। व्यास पीठ पर कथा वाचक शंकरदास जी महाराज ने राम-भरत मिलाप का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि महाराज भरत ने चित्रकूट यात्रा के लिए सम्पूर्ण अयोध्यावासियों को तैयार कर लिया। राजतिलक की सामग्री को साथ लेकर गुरुदेव की अनुमति से भरत सभी को साथ लेकर भगवान की खोज में चल पड़ें। शंकर दास जी महाराज ने कहा कि इस प्रसंग से यह सीख मिलती है कि जन्म जन्मांतर से भटके हुए जीव को तब तक परम शान्ति नहीं मिल सकती जब तक कि वह भगवान की खोज न करें। मार्ग की अनेक बाधाओं को पार करते हुए श्रीभरत चित्रकूट तक पहुंचे। सच्चे साधक के मार्ग में अनेक बाधाएं आती है। किन्तु राम प्रेम के बल पर वह सम्पूर्ण बाधाओं को पार कर लेता है। भाई-भाई के प्रेम को दर्शन कराने के लिए ही श्रीराम और भरत जी के मिलन का प्रसंग आया। चित्रकूट में श्रीभरत की श्रीराम प्रेममयी दशा को देखकर वहां के पत्थर भी पिघलने लगे। भगवान ने भरत के आग्रह को स्वीकार करते हुए चित्रकूट की सभा में उन्हीं को निर्णय करने के लिए कहा तो भरत ने भगवान को वापस अयोध्या लौटने के लिए प्रार्थना की और स्वयं मित्रता के वचन को मानकर वनवासी जीवन बिताने का संकल्प लिया किन्तु भगवान को यह स्वीकार नहीं था। दोनों

भाई एक दूसरे के लिए सम्पत्ति और सुखों का त्याग करने के लिए आतुर थे और विपत्ति को अपनाना चाहते थे। शंकरदास जी महाराज ने कहा कि आज तो भाई भाई की सम्पत्ति को हड़पना चाहता है। यदि भाई भाई की विपत्ति को बांटने लगे तो संसार भर के परिवारों की समस्याओं का समाधान हो सकता है। भाई-भाई का प्रेम आज न जाने कहां चला गया। श्रीराम-भरत के प्रेम से प्रत्येक भाई को भाई से प्रेम का संदेश लेना चाहिए। उन्होंने आगे कथा सुनाते हुए कहा कि भरत ने भगवान की चरण पादुकाओं को सिंहासना रूख किया और चौदह वर्ष तक उनकी सेवा की। यह भ्रातृत्व प्रेम की पराकाष्ठा है। श्रीभरत ने भाई का भाग कभी स्वीकार नहीं किया। बल्कि अपना भाग भी भगवान को देकर सदैव दास बनकर उनकी सेवा करते रहे। भगवान श्रीराम चरण में रहकर वनवासी-तपस्वी जीवन व्यतीत करते है। किन्तु भरत तो नंदीग्राम में रहकर भी सम्पूर्ण नियमों का पालन करते हुए भी सम्पूर्ण अयोध्यावासियों का ध्यान भी रखते हैं। शंकर दास जी महाराज ने कहा कि इस प्रकार से भरत का चरित्र रामजी से बड़ा प्रतीत होता है। इस अवसर पर गोमतीय के श्रवणराम तोलाराम नाई की ओर से 33 हजार रुपए, केशव प्रिया गौशाला हरदेसर की ओर से 12 हजार रुपये, मीतासर के मोहनराम गहलोत की ओर से 11 हजार रुपए सहित मीतासर के संतलाल नाई, गीतादेवी, पूर्णदास स्वामी, भवानीसिंह राजवी, बजरंगसिंह राजपुरोहित की ओर से भी गौशाला में गायों के लिए सहयोग राशि दी गई। समाजसेवी दीपू जैसनसरिया की ओर से गौशाला में सहयोग करने वाले सभी भामाशाहों का आभार प्रकट किया गया और कथा आयोजकों की ओर से सभी का सम्मान किया गया।

राजस्थानी को राजभाषा बनाने की मांग, एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। मायड़ भाषा संघर्ष समिति ने संयोजक गोपाल स्वामी के नेतृत्व में शुक्रवार को राजस्थानी भाषा दिवस के अवसर पर उपखंड अधिकारी को प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि अगर राजस्थान सरकार राजस्थानी भाषा को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाती है तो राजस्थानी भाषा के संवैधानिक मान्यता प्राप्ति की राह आसान हो जायेगी। राजस्थानी भाषा राजस्थान प्रदेशवासियों की मातृभाषा है। इसका संवर्धन व संरक्षण करना हमारा दायित्व है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हमारी भाषा पराई हो गयी। जिससे कि हमारी संस्कृति व पहचान नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई हैं। कोई भी राज्य बिना संवैधानिक मान्यता के अपने राज्य की भाषा को राजभाषा का दर्जा दे सकता है। गोआ, छत्तीसगढ़, झारखंड, सिक्किम, पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों ने अपनी मातृभाषा को राजभाषा बनाया है। ज्ञापन देने वालो में मायड़ भाषा संघर्ष समिति के संयोजक गोपाल स्वामी, विकास सारस्वत, अजीत सिंह राठौड़, सियाराम शर्मा, मुखराम सिद्ध, परमेश्वर पारीक, पवन शर्मा, सुभाष झोरड़, विकास सिंह, सुरेन्द्र सुथार, मनस्वी सारण, राजाराम स्वामी, सीताराम डूडी, अशोक सारण, चैतन्य शर्मा आदि उपस्थित रहें।

दो नेत्रहीन की जिंदगी में आयेगी रोशनी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। लूणकरण बोथरा पुत्र धर्मचन्द बोथरा श्रीडूंगरगढ़ का गुरुवार को 80 वर्ष की आयु में निधन हो जाने पर उनके परिजन भाई माणकचन्द बोथरा व भतीजे प्रवीण बोथरा, गुलाब चन्द बोथरा ने नेत्रदान के लिए सहमति देने पर नेत्र संग्रह केन्द्र के तकनीशियन भंवरलाल प्रजापत ने नेत्र संग्रह किया। नेत्रदान के लिए श्रीडूंगरगढ़ के मनोज बोथरा व मनीष नौलखा अध्यक्ष तेरापंथ युवक परिषद श्रीडूंगरगढ़ ने परिजनों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। तेरापंथ युवक परिषद श्रीडूंगरगढ़ ने तत्परता दिखाते हुए तेरापंथ युवक परिषद सरदारशहर से सम्पर्क किया। सरदारशहर परिषद ने नेत्र संग्रह केन्द्र से सम्पर्क कर तुरन्त प्रभाव से नेत्र संग्रह टीम को श्रीडूंगरगढ़ के लिए रवाना किया गया। जिससे समय पर नेत्रदान संभव हो सका। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान चूरू मुख्यालय गांधी विद्या मंदिर स्थित नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक गणेशदास स्वामी ने बताया कि 30 जनवरी को शुरू हुए केन्द्र में यह तीसरा नेत्रदान हुआ है। इससे दो नेत्रहीनों को रोशनी मिल सकेगी। लूणकरण बोथरा का नेत्रदान किए जाने पर उनके परिजनों का गांधी विद्या मंदिर के अध्यक्ष हिमांशु दूगड़, आयुर्वेद विश्व भारती महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रविन्द्र कुमार व तेरापंथ युवक परिषद सरदारशहर के अध्यक्ष लोकेश सेठिया ने आभार व्यक्त किया है।

शिक्षकों की विभिन्न मांगों पर चर्चा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम की बैठक उप शाखा अध्यक्ष बालचंद प्रजापत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी 24 फरवरी को जयपुर में प्रदेश व्यापी आन्दोलन के तहत विधानसभा पर आयोजित होने वाले प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में शिक्षकों के पहुंचने का आह्वान किया गया। उप शाखा अध्यक्ष बालचंद प्रजापत ने बताया कि शिक्षकों की प्रमुख मांगों को लेकर जिला व संभाग स्तर पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिये जा चुके हैं। लेकिन सरकार की उदासीनता और नकारात्मक रवैये के कारण अभी तक शिक्षकों की वाजिब मांगे लंबित है। इसलिये सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए जयपुर में विधानसभा के समक्ष प्रांत व्यापी एक दिवसीय प्रदर्शन किया जाएगा। उप शाखा मंत्री मनोहर सिंह राठौड़ ने बताया कि बैठक में प्रदेश मंत्री पूसाराम स्वामी, प्रांतीय पदाधिकारी महावीर प्रसाद प्रजापत, सुबोध भास्कर, सुनील गुर्जर सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

रैली से दिया नशा मुक्ति और स्वच्छता का संदेश

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय राजकीय जीएचएस राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत आयोजित सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन स्वयंसेवकों ने आसोटा और पदमपुरा गांव में नशा मुक्ति और स्वच्छता संबंधी जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को नशा छोडने् के लिए प्रेरित किया। प्रदीप जोशी ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव बताये। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने लाडनूं के आदर्श ज्ञानोदय स्पेशल एजुकेशन सेंटर का भ्रमण किया। जहां वे 50 से अधिक दिव्यांग बच्चों से मिले और उनसे मित्रवत व्यवहार कर उनकी रूचियों के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. योगेश कुमार कल्ला, डॉ. नीतिका ठोलिया, विजय सिंह, नानूराम, दिव्या जांगिड़, अनूसूया मेहरा मौजूद रहे। एनएसएस प्रभारी पूजा शर्मा व प्रदीप कुमार जोशी के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन किया गया।

मां वाउचर योजना में बीकानेर पूरे राज्य में द्वितीय स्थान पर रहा

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में श्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मंथन

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिला कलेक्टर सभागार में आयोजित हुई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल ने मां वाउचर योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि योजनांतर्गत वाउचर का उपयोग समयावधि में करवाने का प्रयास करें। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर वाउचर का उपयोग ना करने वाली महिलाओं को चिन्हित करते हुए, उनका फॉलो अप करने के निर्देश दिए। इस संबंध में चिकित्सा अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मां वाउचर योजना के तहत राजस्थान में बीकानेर जिला द्वितीय स्थान पर है। योजनान्तर्गत प्रथम स्थान हासिल करने के लिए शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को लाभान्वित करने का प्रयास करें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एनीमिया मुक्त राजस्थान के तहत शहरी क्षेत्र में कुछ केन्द्रों पर सुधार लाने के लिए विशेष ध्यान देने को कहा। ब्लॉक स्तर पर आंगनबाड़ी केंद्रों व स्कूलों में पिंक टैबलेट, ब्लू टैबलेट व सिरप का वितरण जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाईयां उपलब्ध समय पर करवाई जाएं। उन्होंने नियत सेवा दिवसों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए अधिकाधिक योग्य दंपतियों को स्थाई व अस्थाई साधनों से जोड़ने, दो बच्चों पर नसबंदी बढ़ाने, अंतरा, छाया जैसे नए विकल्पों को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने एंटीनेटल केयर (एएनसी) पंजीकरण के तहत लुणकरणसर, बज्जू व बीकानेर ब्लॉक को और अधिक पंजीयन करने को कहा। राजकीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बच्चों के टीकाकरण का कार्य परीक्षाओं से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोलायत के ब्लॉक सीएमओ को विद्यालयों में बच्चों के हैल्थ स्क्रीनिंग शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान योजना के तहत ब्लॉक वार प्रगति की समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाले स्वास्थ्य केंद्रों में सुधार करने को कहा। उन्होंने शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सतर्कता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने दस प्रतिशत से कम पेनल्टी लगने वाले प्रकरणों को वापस रिव्यू करने के निर्देश दिए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि समस्त ग्राम पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त अभियान के तहत 24 मार्च तक लेख, पोस्टर, जागरूकता रैली सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री निशुल्क दवा योजना, मौसमी बीमारियां, परिवार कल्याण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृमि मुक्त कार्यक्रम, क्वालिटि मातृ व शिशु स्वास्थ्य, इंटीग्रेटेड एम्बुलेंस प्रॉजेक्ट, क्षय रोग निवारण कार्यक्रम सहित अन्य योजनाओं व गतिविधियों पर चर्चा की। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल ने जिला स्तर पर मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना में जिलाक्षय निवारण केंद्र को प्रथम, दियातरा सीएचसी को द्वितीय व पांचू सीएचसी को तृतीय आने पर सम्मानित किया गया। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पुखराज साध ने बताया कि गैर संचारी रोगों से होने वाली मौतों को 1/3 तक कम किया जाना है। इस संदर्भ में राज्य में हाईपरटेन्शन, डायबिटिज और कॉमन कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए 31 मार्च तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का लक्ष्य वित्तीय वर्ष में लक्षित जनसंख्या की शत प्रतिशत की स्क्रीनिंग करना है। बैठक में डॉ नवल गुप्ता, डॉ राजेश गुप्ता, डॉ लोकेश गुप्ता, डॉ चंद्रशेखर मोदी सहित अन्य ब्लॉक सीएमओ उपस्थित रहे।

मेगा हाईवे पर खुले गड्ढे दे रहे हैं दुर्घटनाओं को निमंत्रण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के मेगा हाईवे पर राम मंच के सामने आम नागरिकों की सुरक्षा दांव पर लगी हुई है। आपणी योजना की पाइपलाइन बिछाने के लिए एक महीने पहले खोदे गए 5 फीट गहरे गड्ढे आज भी खुले पड़े हैं। स्थानीय निवासी शिल्पा स्वामी ने बताया कि इन गड्ढों से हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। उन्होंने कई बार अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया गया। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब वह मजबूर होकर पीएचडी विभाग के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। आपणी योजना के मुख्य अधिकारी रामदेव पारीक ने इस मामले में प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खोदे गए गड्ढों को जल्द ही बंद कर दिया जाएगा। हालांकि उन्होंने कोई स्पष्ट समय सीमा नहीं बताई है।

होमगार्ड में नई भर्ती और मानदेय बढ़ाने की तैयारी

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र होमगार्ड के आईजी संदीप सिंह चौहान शुक्रवार को चूरू दौरे पर रहे। आईजी चौहान ने जयपुर रोड डीटीओ ऑफिस के पास होमगार्ड केन्द्र का वार्षिक निरीक्षण किया। आईजी चौहान ने बताया कि हमारे यहां होमगार्ड सदस्यों की ड्यूटी बढ़ाने और मानदेय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। समय-समय पर राज्य सरकार को इसके बारे में अवगत कराया जा रहा है। होमगार्ड में नई स्थाई स्टाफ की भर्ती के प्रयास किए जा रहे हैं। स्थाई स्टाफ के वेलफेयर के लिए बार-बार राज्य सरकार को लिखा जाता है। निरीक्षण के दौरान आईजी चौहान ने स्टाफ की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए प्रदेश सरकार को लिखने का आश्वासन दिया। दो दिवसीय दौरे में आईजी चौहान ने सफाई व्यवस्था और रिकॉर्ड संघारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि होमगार्ड स्टाफ ड्यूटी में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतें। कार्य में लापरवाही कभी सहन नहीं की जाएगी। होमगार्ड जवान हमेशा ईमानदारी के साथ ड्यूटी करते आ रहे हैं। इसी तरह भविष्य में भी अपनी ड्यूटी के दायित्व को निभाते रहें। इस मौके पर कमांडेंट प्यारेलाल चौधरी, प्लाटून कमांडर जेपी शर्मा, करणी सिंह, महेंद्र सिंह, पप्पू सिंह, आरक्षी गोपाल स्वामी, नरेन्द्र शर्मा और सुरेन्द्र जाट सहित स्टाफ मौजूद रहा।

वाहन की टक्कर से राहगीर की मौत

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। चूरू के एनएच 52 पर पैदल चल रहे बुजुर्ग की वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे की सूचना पर सदर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को डीबी अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया। शुक्रवार दोपहर शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। सदर थाने के एएएसआई गिरधारीलाल सैनी ने बताया कि रतननगर निवासी मो. अजरूदीन ने रिपोर्ट दी कि उसके मामा रतननगर के वार्ड 11 निवासी मोहम्मद हुसैन (65) गुरूवार को चूरू से रतननगर आ रहे थे। जो चूरू से रतननगर आने वाली बस में नहीं बैठकर राजगढ़ जाने वाली बस में बैठ गए। ढाढर टोल नाके के पास बस कंडक्टर के टिकट मांगने पर मो. हुसैन ने बताया कि वह चूरू जा रहा था। गलती से राजगढ़ जाने वाली बस में बैठ गया। तब उसको ढाढर टोल के पास बस से नीचे उतार दिया गया। बुजुर्ग पैदल वापस घर लौट रहा था। तभी ढाढर टोल के पास किसी वाहन ने मो. हुसैन को टक्कर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज होने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया।

उपखंड कार्यालय पर शिक्षकों का धरना प्रदर्शन शुरू

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के तत्वावधान में शुक्रवार की शाम सैकड़ों शिक्षक उपखंड मुख्यालय के आगे जुटे और एसडीएम के आदेशों पर आक्रोश जताते हुए धरना शुरू किया, जो समाचार लिखे जाने तक जारी था। धरने को संबोधित करते हुए शिक्षक नेताओं ने कहा कि शिक्षकों से अध्यापन कार्य के अलावा अन्य कार्य करवाए जा रहे हैं, जो न्याय संगत नहीं है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि एसडीएम रामकुमार वर्मा दो शिक्षक, जो बीएलओ लगे हुए थे। उनकी वेतन वृद्धि के रोक के संबंध में डीडीओ को निर्देशित किया है, जो न्याय संगत नहीं है। शेखावत के जिलाध्यक्ष विजय पोटलिया व शुभकरण नैण ने कहा कि दो शिक्षकों के साथ एसडीएम ने अन्याय किया है और बार-बार उनके आदेशों को लेकर शिक्षक संघ ने वार्ता करने के लिए भी कहा, लेकिन एसडीएम वार्ता तिथि को किसी न किसी बहाने आगे बढ़ा दिया, जिसके विरोध शिक्षक समाज लामबद्ध होकर धरना-प्रदर्शन करने करने पर मजबूर हुआ है। धरने को प्रांतीय महामंत्री उपेंद्र शर्मा, शिक्षक नेता खींवाराम ख्यालिया, गोपीचंद खीचड़, भंवरलाल पूनियां, भोजराज शर्मा, चौथमल चीनिया, मनमोहनदान चारण, रणवीर सहारण, किसान सभा के तहसील अध्यक्ष मदनलाल जाखड़ ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं एसडीएम वर्मा ने बताया कि राज्य सरकार के आदेश पर चुनाव कार्य को प्रभावित करने और आदेशों की अवहेलना के चलते नियमानुसार दो बीएलओ पर कार्रवाई की गई है।

यातायात जनजागरूकता अभियान के तहत स्कूली छात्रों को दिए गए सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण संदेश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) पुलिस उपायुक्त (यातायात) के निर्देशन में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात सुगमता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे यातायात जनजागरूकता अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस की तरफ से प्रेम सिंह ने कैंब्रिज सीनियर सेकेंडरी स्कूल, न्यू लोहा मंडी, सीकर रोड के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेष रूप से जेब्रालाइन से सड़क पार करने, नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने, लाल बत्ती होने पर स्टॉप लाइन का पालन करने, हेलमेट का सही उपयोग करने, सीट बेल्ट लगाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बचने जैसे महत्वपूर्ण नियमों पर प्रकाश डाला गया। इसके अलावा, सड़क दुर्घटनाओं के दौरान घायलों की मदद करने और "अच्छा मददगार" बनने की जिम्मेदारी के बारे में भी बताया गया। जागरूकता बढ़ाने के लिए विद्यार्थियों के बीच पंपलेट व पोस्टर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के प्रधानाचार्य, अध्यापकगण और वर्गो सांस्कृतिक संस्था के सूचना मंत्री सुनील कुमार जैन उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और अन्य लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। यातायात पुलिस द्वारा इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं, ताकि सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके और दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाई जा सके।

बख्तावरपुरा में 60 लाख रुपए की लागत से बनने वाले खेल स्टेडियम का भूमि पूजन

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बख्तावरपुरा के खेल मैदान में शुक्रवार को दलीप सिंह कटेवा व बनारसी देवी कटेवा की पुण्य स्मृति में उनके भामाशाह पुत्रों व पोतों की ओर से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल स्टेडियम के निर्माण कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश चंद्र भाम्बू ने बताया कि इस स्टेडियम के निर्माण पर 50 से 60 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। यह खेल स्टेडियम क्षेत्र के होनहार खिलाड़ियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करेगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के युवा अपनी प्रतिभा को और निखार सकेंगे। भूमि पूजन का कार्य धर्मवीर सिंह कटेवा, युद्धवीर सिंह कटेवा व उनकी बहिन रेणु शेरावत की ओर से संपन्न किया गया। इस अवसर पर विजेन्द्र सिंह कटेवा, प्रवीण कटेवा, श्रीभान कटेवा, पूर्व सरपंच महेन्द्र सिंह कटेवा, ईश्वर सिंह कटेवा, वर्तमान सरपंच अनिल कटेवा, मास्टर विद्याधर सिंह कटेवा, आलम अली, शिक्षक संघ शेखावत के जिलाध्यक्ष अशोक कटेवा, जीएसएस अध्यक्ष करण सिंह, बलबीर कटेवा, प्रीतम कटेवा, सुबेदार रामनिवास, सत्यवीर सिंह सहित सैकड़ों ग्रामीण, विद्यालय स्टाफ व स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य महेश चंद्र भाम्बू का भामाशाह परिवार की ओर से शाल व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। विद्यालय स्टाफ ने इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए भामाशाह परिवार का आभार प्रकट किया और इसे क्षेत्र के युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया।

नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। एक विवाहिता को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म करने के मामले में राजलदेसर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 23 जनवरी को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि एक वर्ष पूर्व उसकी पत्नी को नशीला पदार्थ पिलाकर गांव छाजूसर निवासी सुरेंद्रसिंह ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया था। आरोपी ने विवाहिता के अश्लील फोटो व वीडियो भी बना ली और इसके बाद एक वर्ष तक आरोपी विवाहिता के साथ दुष्कर्म करता रहा। 17 जनवरी की रात उसकी पत्नी अकेली सो रही थी। इसी दौरान सुरेंद्रसिंह घर में घुस गया और उसकी पत्नी को अकेला देखकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना से आहत विवाहिता ने प्रकरण से पति को अवगत करवाया, जिस पर उसने 23 जनवरी को राजलदेसर थाने में मामला दर्ज करवाया। आरोपी ने विवाहिता की सिम को भी चुरा लिया था। घटना का मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर दबिश दी और उसे शुक्रवार को रतनगढ़ के संगम चौराहा से गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से आसाम व बिहार में था।

एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने सड़क सुरक्षा को लेकर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशानुसार शुक्रवार को चूरू एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने चूरू उपखण्ड कार्यालय में सड़क सुरक्षा के संबंध में बैठक आयोजित कर संबंधित अधिकारियों से को आवश्यक निर्देश दिए। बिजेन्द्र सिंह ने कहा कि सड़क, परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय से प्राप्त दिशा- निर्देशानुसार राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा के लिए कार्य करें और आवश्यक गतिविधियां आयोजित करें। एसडीएम बिजेन्द्र सिंह ने शिक्षा, यातायात, पुलिस, परिवहन, स्वास्थ्य विभाग, एनएचएआई व सानिवि के अधिकारियों, कर्मचारियों को आपसी समन्वय से महाविद्यालयों/विद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने व आईआरएडी सिस्टम के आधार पर दुर्घटना संभावित स्थानों पर प्रवर्तन कार्यवाही करने, बैनर/होर्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट व सोशल मीडिया इत्यादि के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने, सडक सुरक्षा प्रदर्शनी, सड़क सुरक्षा मेले, क्विज, नुक्कड नाटक, पपेट शो, रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन, रिफलेक्टर्स व रिफलेक्टिव टेप आदि लगाने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान तहसीलदार अशोक गोरा, सीबीईओ ओमदत्त सारण, डीटीओ नरेश कुमार, बीडीओ महेन्द्र कुमार, ट्रैफिक इंचार्ज जयप्रकाश, बीसीएमओ डॉ जगदीश भाटी, पीए सुरेश कुमार, सरिता वर्मा, सानिवि से हिमांशु, अजय, एनएचएआई से हेमन्त व नरेन्द्र कुमार, मुकेश, कैलाश, मुकेश गीला आदि उपस्थित रहे।

जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय चूरू महोत्सव का शुभारंभ आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा के निर्देशन में चूरू जिला मुख्यालय पर आयोजित किए जा रहे चूरू महोत्सव- 2025 का शुभारंभ शनिवार को किया जाएगा। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सभी जिलेवासियों को राजस्थानी व हिन्दी भाषा में मनुहार -पत्रिका जारी कर चूरू महोत्सव में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने समस्त जिलेवासियों से अपील की है कि सभी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए कार्यक्रमों का आनंद लें और चूरू की जिजीविषा व उत्साह को उत्सव रूप में मनाएं। उन्होंने बताया कि चूरू की संस्कृति, साहित्य व परंपराओं के संरक्षण, संवर्द्धन की दिशा में आयोजित इस महोत्सव में अयोजित विभिन्न गतिविधियों में जिलेवासी शामिल हों और आयोजन को सफल बनाएं।

पहले दिन आयोजित होंगी यह गतिविधियां

जिला कलक्टर सुराणा ने बताया कि चूरू महोत्सव के पहले दिन शनिवार को सवेरे 7.15 बजे चूरू गढ़ परिसर से विरासत कार्निवल यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद सवेरे 10.30 बजे से पारंपरिक परिधान मिस्टर/ मिस/ मिसेज चूरू, रस्सा -कस्सी प्रतियोगिता, आर्ट गैलरी, संगीत व नृत्य प्रतियोगिता, क्राफ्ट व फूड बाजार, राजीविका व महिला सशक्तीकरण चर्चा सत्र, पेंटिंग/रंगोली कार्यशाला आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं और सांय 6.15 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम में पद्मश्री गुलाबो सपेरा की ओर से नृत्य प्रस्तुति, प्रसिद्ध कोरियोग्राफर संतोष नायर द्वारा निर्देशित वायब्रेंट इंडिया नृत्य प्रस्तुति, बॉलीवुड पार्श्व गायक रविन्द्र उपाध्याय, कोक स्टुडियो फेम भंवरी देवी आदि प्रस्तुतियां देंगे।

संभागीय आयुक्त ने शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के दिए निर्देश

बीकानेर(निस)। संभागीय आयुक्त डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने शुक्रवार को राजस्व अर्जन की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में बीकानेर के अधिकारी मौजूद रहे। वहीं हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और चूरू के अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े। संभागीय आयुक्त ने निर्देशित किया कि राजस्व अर्जन से जुड़े सभी विभाग शत-प्रतिशत राजस्व वसूली सुनिश्चित करें। वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही को देखते हुए पूर्ण गंभीरता से कार्य किया जाए और प्रत्येक जिले में राजस्व अर्जन की नियमित समीक्षा हो। इस दौरान संभागीय आयुक्त ने डीआईजी स्टाम्प, परिवहन, खनन, बिक्री कर, आबकारी विभाग के लक्ष्य, प्रगति व आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की। बैठक में अतिरिक्त संभागीय आयुक्त जसवंत सिंह, अतिरिक्त आयुक्त (आबकारी) रियाजुद्दीन उस्मानी, अतिरिक्त आयुक्त (बिक्री कर विभाग) कांतिलाल, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अनिल पांडिया, खनि अभियंता एमपी पुरोहित सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय झांकी का पुरस्कार जिला कलक्टर को सौंपा

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। उदयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान प्रदर्शित बीकानेर की झांकी को तीसरे स्थान का पुरस्कार गुरुवार को जयपुर में दिया गया। शुक्रवार को यह सम्मान जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि को सौंपा गया। जिला कलक्टर ने बताया कि 'हेरिटेज रूट, सोलर पार्क और एक पेड़ मां के नाम' थीम पर तैयार झांकी को प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ था। गुरुवार को जयपुर स्थित शासन सचिवालय में यह पुरस्कार प्रदान किया गया। झांकी में बीकानेर की हैरिटेज विशेषताओं, सोलर हब की संभावनाओं और पौधारोपण से जुड़ी जानकारी प्रदर्शित की गई थी। झांकी प्रभारी और जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक हरि शंकर आचार्य, सहप्रभारी व जिला परिषद के आईईसी समन्वयक गोपाल जोशी ने जयपुर में यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस अवुला साईकृष्ण मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।